A Daily News Magazine
इंदौर
गुरुवार, 25 सितंबर, 2025

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 341, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

'अशोक कुमार आदेश' मानहानि मामलों में मजबूत हथियार बन गया है

रुचि भट्टर

जब सितंबर में दिल्ली की एक ट्रायल कोर्ट ने अडानी एंटरप्राइजेज को एक व्यापक जॉन डो गग (John Doe gag) ऑर्डर दिया, तो यह उन बढ़ती हुई रोक की ताज़ा मिसाल थी, जो पहले केवल पायरेसी रोकने के लिए बनाई जाती थीं, लेकिन अब शक्तिशाली सेंसरशिप टूल बन गई हैं। ये आदेश उन मामलों के लिए बनाए गए थे, जहां अपराधी अज्ञात होते थे। आज इन्हें कंपनियों पर रिपोर्टिंग को दबाने, हजारों लिंक ब्लॉक करने और असुविधाजनक रिपोर्ट को जनता की नजर से दूर रखने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है।

'जॉन डो आदेश' एक कोर्ट का आदेश है जो सिर्फ नाम वाले प्रतिवादियों पर ही नहीं बल्कि उन अज्ञात लोगों पर भी लागू होता है, जो बाद में कथित उल्लंघन कर सकते हैं। भारत में इन्हें 'अशोक कुमार' आदेश भी कहा जाता है, जो एक सामान्य हिंदी फिल्म अभिनेता का नाम है, जिसे कोर्ट अज्ञात अपराधियों के लिए इस्तेमाल करते हैं।

शुरुआत में इसे कॉपीराइट पायरेसी से निपटने के लिए बनाया गया था, जब फिल्म निर्माता हर उल्लंघन करने वाली वेबसाइट या वितरक की पहचान नहीं कर सकते थे। बाद में यह आदेश ट्रेडमार्क, नकली सामान और व्यक्तित्व अधिकारों के मामलों में भी फैल गया। लेकिन अब यह मीडिया को मानहानि के मुकदमों में रिपोर्टिंग करने से रोकने का शक्तिशाली टूल बन गया है। इसका व्यापक असर यह है कि कोई भी, वर्तमान या भविष्य में, इस आदेश के तहत बंध सकता है, अक्सर बिना नोटिस या खुद को बचाने का मौका दिए।

6 सितंबर को, रोहिणी जिला कोर्ट ने पत्रकारों, प्रकाशकों और एक्टिविस्ट्स को अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के लिए 'मानहानिकारक' मानी गई सामग्री प्रकाशित करने से रोका। इस आदेश की खास बात इसका डायनेमिक असर था- अडानी किसी भी नए आर्टिकल या पोस्ट के लिंक मध्यस्थों को भेज सकते थे, जिन्हें 36 घंटे में हटाना अनिवार्य था। इस निषेधाज्ञा ने किसी विशेष कथन को नहीं बल्कि पूरी रिपोर्टिंग श्रेणियों को कवर किया। पत्रकारों के लिए इसका मतलब यह था कि इंवेस्टिगेटिव आर्टिकल बिना किसी सुनवाई या न्यायिक जांच के रातों-रात गायब हो सकते हैं। आलोचकों ने इसे भारत के सबसे बड़े समूह को दिया गया एक निजी सेंसरशिप तंत्र बताया।

18 सितंबर को, कोर्ट ने परांजॉय गुहा ठाकुरता की अपील पर आदेश सुरक्षित रखा। पत्रकार रवि नायर, अभिर दासगुप्ता, अयस्कांत दास और आयुष जोशी की अपील में 6 सितंबर का आदेश रद्द कर दिया गया। कोर्ट ने पाया कि मूल निषेधाज्ञा 'व्यापक' थी और कहा कि इसका 'असर मुकदमे को बिना ट्रायल के तय करने जैसा है', जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गंभीर उल्लंघन है। जुलाई में, बैंगलुरु सिटी सिविल कोर्ट ने अपनी सबसे व्यापक जॉन डो निषेधाज्ञाओं में से एक पारित की। धर्मस्थल मंदिर प्रशासन की याचिका पर, कोर्ट ने यूट्यूब, फेसबुक और अन्य प्लेटफॉर्म से लगभग 8,842 लिंक हटाने का आदेश दिया। ये पोस्ट और वीडियो मंदिर शहर के पास कथित जनसमूह दफनों के प्रबंधन पर सवाल उठाते थे। कोर्ट ने आगे मंदिर प्रमुख वीरेंद्र हेगड़े, उनके परिवार और संबंधित संस्थानों पर रिपोर्टिंग भी रोकी। गग ऑर्डर ने असल में मीडिया की रिपोर्टिंग को रोक दिया। अगस्त तक, कर्नाटक हाई कोर्ट ने इसे ज्यादा बताया और अधिकांश रोक हटाई।

सुप्रीम कोर्ट ने बाद में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। यह मामला उस यूट्यूब वीडियो से शुरू हुआ, जिसने 2012 में धर्मस्थल में हुई एक लड़की के बलात्कार और हत्या की यादें ताजा कीं। बाद के जनसमूह दफन आदेश की तरह, यह निषेधाज्ञा भी व्यापक और अस्पष्ट थी–इसमें किसी विशेष मानहानिकारक सामग्री का नाम नहीं लिया गया, बल्कि सभी आलोचनात्मक रिपोर्टिंग को रोका गया।

2024 में, सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच, जिसका नेतृत्व तब के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने किया, और जिसमें जस्टिस पारदीवाला और मनोज मिश्रा शामिल थे, ने दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को देखा, जिसमें ब्लूमबर्ग टेलीविजन प्रोडक्शन इंडिया के खिलाफ अंतरिम निषेधाज्ञा को बरकरार रखा गया था। साकेत कोर्ट के आदेश में ब्लूमबर्ग को ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज की आलोचनात्मक कंटेंट हटाने का निर्देश दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम राहत के तीन मानदंडों को दोहरायाः प्राइमा फेसी केस, सुविधा का संतुलन, और अपरिवर्तनीय हानि। कोर्ट ने जोर दिया कि एक्स पार्टी निषेधाज्ञाएं केवल तब दी जानी चाहिए जब कंटेंट स्पष्ट रूप से 'दुर्भावनापूर्ण' या 'स्पष्ट रूप से झूठी' हो। इस फैसले ने मानहानि मामलों में गग ऑर्डर की असाधारण प्रकृति पर बल दिया, खासकर जब यह प्रेस की स्वतंत्रता को प्रभावित करता हो।

2019 में, दिल्ली हाई कोर्ट ने रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद पर मानहानिकारक सामग्री के वैश्विक स्तर पर हटाने का आदेश दिया। कोर्ट ने पाया कि कंटेंट मानहानिकारक था और पहले से ही आपत्तिजनक पाई गई किताब के हिस्सों से जुड़ी थी, जिससे प्राइमा फेसी केस बनता था। कोर्ट ने आदेश दिया कि अगर कंटेंट भारत से अपलोड किया गया है तो प्लेटफॉर्म्स को इसे पूरी तरह से ब्लॉक करना होगा, और अगर विदेश से अपलोड की गई है तो कम से कम भारतीय यूजर्स के लिए जियो-ब्लॉक करना होगा।

फिल्मों की सुरक्षा से लेकर बड़े कॉरपोरेट समूहों को ताकत देना, जॉन डो ऑर्डर कई मामलों और अदालतों में फैल गए हैं। अडानी और धर्मस्थल जैसे मानहानि के मामलों में, ये खतरनाक स्तर तक पहुंच गए हैं - अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर रोक, रिपोर्टिंग पर प्रतिबंध और पत्रकारिता को दबाना। जो कभी पाइरेटेड DVD के खिलाफ एक छोटा-सा तरीका था, वह अब भारत की कानूनी प्रणाली में सेंसरशिप का सबसे शक्तिशाली तंत्र बन गया है। वरिष्ठ अधिवक्ता सुनील फर्नांडीज ने कहा कि भारत में जॉन डो आदेश लगभग विशेष रूप से शक्तिशाली अभिनेताओं द्वारा मांगे जाते हैं- 'बड़े व्यवसायी, प्रभावशाली लोग, या जिनके पास बहुत अधिक सत्ता है। गैर-विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग के लोग नहीं। आदेश का दुरुपयोग हो रहा है। 'आजकल, अगर आप प्रभावशाली हैं, तो आपको वास्तविक मानहानि साबित करने की जरूरत नहीं। आप कोर्ट में जाते हैं, कहते हैं कि यह मेरे लिए असुविधाजनक है, और इसलिए जॉन डो।' उन्होंने कहा कि भारत में RLs, वेबसाइट्स, फेसबुक पेज और यूट्यूब चैनल्स को बंद करने के लिए जॉन डो आदेश का इस्तेमाल बढ़ रहा है, जबकि मूल रूप से यह इसके लिए नहीं था। इसलिए, कोर्ट को दोनों पक्षों का संतुलन बनाना होगा। संविधान की नजर में फर्नांडिस ने इसे 'ग्रे एरिया' कहा। अदालतों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और प्रतिष्ठा के बीच संतुलन बनाना चाहिए, लेकिन ऐसे आदेश देने के मानदंड अब 'काफी ढीले' कर दिए गए हैं।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

कू' का अर्थ है छोटा, 'ष्' का अर्थ है ऊर्जा और 'अंडा' का अर्थ है ब्रह्मांडीय गोला सृष्टि या ऊर्जा का छोटे से वृहद ब्रह्मांडीय गोला। सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड में ऊर्जा का संचार छोटे से बड़े में होता है। यह बड़े से छोटा होता है और छोटे से बड़ा; यह बीज से बढ़ कर फल बनता है और फिर फल से दोबारा बीज हो जाता है।

सुप्रभात

सब जिनके लिए झोलियां फैलाए हुए हैं
वो रंग मेरी आंख के ठुकराए हुए हैं
इक तुम हो कि शोहरत की हवस ही नहीं जाती
इक हम हैं कि हर शोर से उकताए हुए हैं
दो चार सवालात में खुलने के नहीं हम
ये उक़दे तेरे हाथ के उलझाए हुए हैं
अब किसके लिए लाए हो ये चांद सितारे
हम ख़्वाब की दुनिया से निकल आए हुए हैं
हर बात को बेवजह उदासी पे ना डालो
हम फूल किसी वजह से कुम्हलाए हुए हैं
कुछ भी तेरी दुनिया में नया ही नहीं लगता
लगता है कि पहले भी यहां आए हुए हैं
है देखने वालों के लिए और ही दुनिया
जो देख नहीं सकते वो घबराए हुए हैं
सब दिल से यहां तेरे तरफ़दार नहीं हैं
कुछ सिर्फ़ मिरे बुग़्ज़ में भी आए हुए हैं।

- फ़रीहा नक़वी

धान उत्पादक किसानों को दीपावली से पहले ही बोनस के रूप में दिया तोहफा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

किसानों की आर्थिक मजबूती से ही प्रदेश बनेगा समृद्ध

- 6.69 लाख धान उत्पादक किसानों के खाते में 337 करोड़ बोनस राशि अंतरित की
- 245 करोड़ लागत के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण
- बालाघाट जिले के 4000 से अधिक युवाओं को दिए नियुक्ति-पत्र
- कटंगी में नया सामुदायिक अस्पताल और कटंगी-सिवनी राजमार्ग पर बनेगा नया सेतु

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि देश का उदर-पोषण करने वाले अन्नदाताओं की खुशहाली में ही हम सबकी खुशहाली है। अन्नदाताओं की आर्थिक मजबूती ही देश और प्रदेश के विकास और समृद्धि का आधार है। हमारी सरकार ने किसानों के सभी हितों का विशेष ध्यान रखा है। हमारी विकास नीतियों के मूल में किसान ही हैं। गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी कल्याण के लिए हम मिशन मोड में आगे बढ़ रहे हैं। किसानों को उनके हर वाजिब हक के साथ-साथ हमारी सरकार किसान सम्मान निधि भी दे रही है। यह निधि किसानों के प्रति हमारे सम्मान की अभिव्यक्ति है। किसानों के कल्याण और इनकी समृद्धि के लिए हमारी सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को बालाघाट जिले के कटंगी तहसील मुख्यालय में राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के 6 लाख 69 हजार 272 धान उत्पादक किसानों के खाते में 337 करोड़ 12 लाख रुपये की प्रोत्साहन (बोनस) राशि सिंगल क्लिक से उनके बैंक खातों में अंतरित की। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जित करने वाले किसानों को प्रति हेक्टेयर 4 हजार अधिकतम 10 हजार रूपये की बोनस राशि देने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालाघाट जिले में करीब 245 करोड़ रुपये की लागत वाले 78 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी किया। इसमें 39 करोड़ रूपए लागत से बालाघाट में सरेखा आर.ओ.बी. एवं परसवाड़ा में 31 करोड़ रूपए की लागत से नवनिर्मित सांदीपनि विद्यालय भवन का लोकार्पण भी शामिल है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालाघाट जिले के नक्सल प्रभावित ग्रामों के 850 युवाओं को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए। इन सभी युवाओं को गृह विभाग के विशेष सहयोगी दस्ते में नियुक्ति दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालाघाट जिले में हुए रोजगार महोत्सव के जरिए चुने गए 3700 से अधिक युवाओं को प्रतिष्ठित निजी कंपनियों में नियुक्ति पत्र भी दिए।

किसानों को कोई तकलीफ नहीं होने देंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह सम्मेलन न केवल किसानों की समृद्धि, बल्कि युवाओं के लिए भी नए अवसरों से भरपूर है। किसान और युवा विकास के सेतु की तरह हैं। प्रदेश के समग्र विकास के लिए हमारी सरकार इन दोनों के परिश्रम और असीम ऊर्जा को नई दिशा देगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों के आशीर्वाद से ही किसान का बेटा आज मुख्यमंत्री है। किसानों को कोई तकलीफ नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि गेहूं और सोयाबीन पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की अतिरिक्त बोनस राशि भी दी जाएगी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बालाघाट जिले के जीआई टैग प्राप्त चिन्नौर का चावल और जैविक गुड़ भेंट किया गया।

मुख्यमंत्री ने दी अनेक सौगातें

किसान सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा की कि कटंगी में नया सामुदायिक अस्पताल बनाया जाएगा। हाईस्कूल को हायर सेकेंड्री स्कूल में प्रोन्नत किया जाएगा। कटंगी से सिवनी राजमार्ग पर नया सेतु बनाया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र के किसानों की बड़ी समस्या का निदान करते हुए कहा कि पेंच नेशनल पार्क की परिधि क्षेत्र से लगे खेतों की फसलों को जंगली जानवरों से बचाने के लिए चारों ओर सोलर फेंसिंग कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि राजीव सागर सिंचाई परियोजना से नहलेसरा बांध को इंटरलिंक कराने के लिए परीक्षण कराकर कार्ययोजना तैयार कराई जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जंगली जानवरों के हमले में जान गंवाने वाले क्षेत्र के 5 मृतकों स्व. श्री सुखराम, स्व. श्री प्रकाश, स्व. श्री अनिल, स्व. श्री मंगरू एवं स्व. श्री सेवकराम के परिजनों को मुआवजे की शेष राशि के रूप में 17-17 लाख रूपए देने की घोषणा की। इन सभी मृतकों के परिजन को 25-25 लाख रुपए मुआवजा मिलना था इसमें से 8-8 लाख रूपए परिजनों को पहले ही दिए जा चुके हैं।

नाम हटाने के लिए आधार से जुड़ा फोन नंबर होगा जरूरी

- चुनाव आयोग ने वोटर लिस्ट प्रोसेस में किया बड़ा बदलाव
- ईसी ने कहा-अब नाम जोड़ने-हटाने के लिए ई-साइन जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने अपने पोर्टल और ऐप दोनों पर ही इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर फीचर शुरू किया है। इसके तहत अब किसी भी व्यक्ति को जो मतदाता सूची में नाम जोड़ना या हटाना चाहता है या फिर उसमें सुधार करवाना चाहता है तो उसे अनिवार्य रूप से आधार से जुड़े फोन नंबर के माध्यम से अपनी पहचान की पुष्टि करनी पड़ेगी।

यह जानकारी लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की ओर से कर्नाटक की आलंद विधानसभा सीट पर 6,000 से ज्यादा मतदाताओं का नाम सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करके गलत तरीके से हटाए जाने के आरोपों के बाद सामने आई है।

- **आधार-वेरिफिकेशन के बिना नहीं होगा काम-** लेकिन, नए फीचर के तहत अब आवेदक को आवश्यक जानकारी दर्ज करने के बाद उसे सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग से जुड़े एक अलग ई-साइन पोर्टल पर ले जाया जाता है और फिर आधार से जुड़े फोन नंबर पर ओटीपी भेजकर उसकी पहचान की प्रमाणिकता की पुष्टि की जाती है। जब इस तरीके से यूजर की पहचान का आधार-वेरिफिकेशन हो जाता है तो आगे की कार्रवाई के लिए वहां से फिर से उसे चुनाव आयोग की मूल साइट पर वापस कर दिया जाता है।

खालिस्तानी आतंकी पर एनआईए का तगड़ा ऐक्शन

अमृतसर (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस और उसके चीफ गुरपतवंत सिंह पन्नू पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की एफआईआर दर्ज की है। यह मामला पन्नू के पाकिस्तान में पत्रकारों से बात करने से जुड़ा हुआ है। जिसमें उसने पीएम नरेंद्र मोदी को लाल किले पर तिरंगा फहराने से रोकने के लिए 11 करोड़ ईनाम देने की घोषणा करते हुए सिख सैनिकों को उकसाया था।

इसके अलावा खालिस्तान का एक नक्शा दिखाया था, जिसमें पंजाब के साथ दिल्ली, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश को भी खालिस्तान का हिस्सा दिखाया गया। यही नहीं, उसने कहा कि खालिस्तान बनाने के लिए भारत से लड़ने को उसने शहीदों का ग्रुप बनाया है। अब यह ग्रुप लड़ेगा।

लद्दाख में हिंसक हुआ युवाओं का अंदोलन

- 4 लोगों की मौत,सोनम वांग्चुक ने 15 दिनों बाद तोड़ा अनशन
- राज्य का दर्जा मांग रहे प्रदर्शनकारियों ने भाजपा ऑफिस जलाया

लेह (एजेंसी)। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर लेह में बुधवार को हिंसक प्रदर्शन हुआ। छात्रों की पुलिस और सुरक्षाबलों से झड़प हो गई। इसमें 4 लोगों की मौत हो गई और 70 से ज्यादा लोग घायल हैं। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने पुलिस पर पत्थरबाजी की। भाजपा ऑफिस और सीआरपीएफ की गाड़ी में आग लगा दी। उधर, प्रशासन ने लेह में बिना अनुमति रैली, प्रदर्शन पर बैन लगा दिया है। ये छात्र सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के समर्थन में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। वांगचुक पिछले 15 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे थे। मांगें पूरी न करने के विरोध में प्रदर्शनकारियों ने आज बंद बुलाया था। इसी दौरान हिंसा हुई। हिंसा के बाद वांगचुक ने अनशन तोड़ दिया है।

सीआरपीएफ की गाड़ी भी फूंकी,वांगचुक बोले-बेवकूफी बंद करें

केंद्र ने दिया था बातचीत का ऑफर

लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश के लेह क्षेत्र में बुधवार को विरोध प्रदर्शन हुए थे। प्रदर्शनकारियों ने शहर में भाजपा कार्यालय में आग लगा दी थी। इसके बाद पथराव किया और पुलिस के साथ झड़प की। इस दौरान एक पुलिस वैन में आग लगा दी गई, जिससे पिछले कुछ हफ्तों से जारी आंदोलन और भड़क गया था। लेह एपेक्स बॉडी की युवा शाखा ने पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए यह विरोध प्रदर्शन बुलाया था, जो पिछले 14 दिनों से केंद्र शासित प्रदेश को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची का दर्जा देने की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर हैं।

सुबह सवेरे
इंदौर ■ गुरुवार, 25 सितंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

चतुर्थ मां कूष्माण्डा

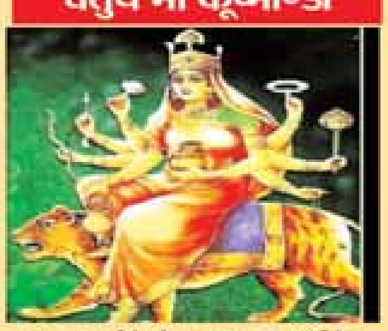

कू' का अर्थ है छोटा, 'ष्' का अर्थ है ऊर्जा और 'अंडा' का अर्थ है ब्रह्मांडीय गोला सृष्टि या ऊर्जा का छोटे से वृहद ब्रह्मांडीय गोला। सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड में ऊर्जा का संचार छोटे से बड़े में होता है। यह बड़े से छोटा होता है और छोटे से बड़ा; यह बीज से बढ़ कर फल बनता है और फिर फल से दोबारा बीज हो जाता है।

भारत उभरती हुई ताकत, उसे चीन और रूस जैसा न मानें

फिनलैंड के राष्ट्रपति बोले-दिल्ली से मजबूत रिश्ते बनाएं

हेलसिंकी (एजेंसी)। फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने कहा है कि भारत उभरती हुई महाशक्ति है। उसे रूस और चीन की तरह नहीं माना जा सकता। स्टब ने हेलसिंकी सिक्योरिटी फोरम 2025 की बैठक में पश्चिमी देशों को दिल्ली के साथ और गहरे

संबंध बनाने के लिए कहा। स्टब ने रूस-यूक्रेन जंग को खत्म करने में भारत की अहम भूमिका पर भी जोर दिया। फोरम 2025 में बोलते हुए स्टब ने कहा, मैंने पीएम मोदी से यूक्रेन के हालात पर बात की है। भारत का इसमें भू-राजनैतिक हित है, इसलिए हमें उन्हें शांति प्रयासों में शामिल करना होगा।

ऐसा मंदिर जहां पता कर सकते हैं कब होगी आपकी मृत्यु

● 2000 साल पहले लिख गई है तिथि, नाड़ी ज्योतिष की है परंपरा

चेन्नई (एजेंसी)। आपने कई लोगों के मुंह से ये बात जरूर सुनी होगी 'धरती पर आएं हैं तो जन्म-मरण का चक्र तो देखना पड़ेगा' लेकिन वो कहते हैं ना इंसान अपने जीवन को खुशी से नहीं जीता, उसे चिंता होती है अपने भविष्य की, और अपने मरण तिथि की। किसी भी पंडित को हाथ दिखाते समय आजकल इंसान सबसे ज्यादा यही पूछने लगा है मेरा जीवन कब तक लिखा है। खैर सबके अपने-अपने सवाल जवाब होते हैं लेकिन वर्तमान को अच्छे से जीना ही व्यक्ति की सबसे बड़ी जीत कहलाती है। अगर फिर भी आप ऐसा कुछ जानना चाहते हैं, तो आज हम आपको एक ऐसा मंदिर के बारे में

बताने वाले हैं, जहां लोग अपनी मरण तिथि या समय के बारे में पूछने जाते हैं। द टेम्पल गर्ल के नाम से फेमस इन्फ्लुएंसर का कहना है, वैथीश्वरन कोइल, तमिलनाडु में नाड़ी ज्योतिष की परंपरा है। कहा जाता है कि आपकी मृत्यु की तारीख तक प्राचीन ताड़पत्रों पर लिखी होती है, जो करीब 2000 साल पुराने बताए जाते हैं। कहानी है कि महर्षि अगस्त्य ने हर आत्मा का जीवन- भूत, वर्तमान और भविष्य-इन पत्तों पर लिखा। जब आप वहां जाते हैं, तो अपना अंगूठे का निशान देते हैं। फिर आपका निशान 108 श्रेणियों में से किसी एक से मिलाया जाता है।

बुलडोजर ऐक्शन के खिलाफ आदेश देना संतोषजनक

● सीजेआई बीआर गवई बोले- इसमें मानवीय पहलू जुड़ा था

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने मंगलवार को कहा कि बुलडोजर ऐक्शन के खिलाफ आदेश देने पर उन्हें बेहद संतुष्टि मिली थी। इस फैसले में मानवीय पहलू भी जुड़ा था। किसी परिवार को सिर्फ इसलिए परेशान

नहीं किया सकता कि उस परिवार का एक सदस्य अपराधी है। सुप्रीम कोर्ट के वकीलों के एक एकेडमिक समूह, 269वें फ्राइडे ग्रुप के कार्यक्रम में बोलते हुए गवई ने कहा-बेंच में उनके साथ जस्टिस केवी विश्वनाथन भी शामिल थे। हालांकि ज्यादातर श्रेय मुझे दिया गया है, लेकिन मैं यह भी कहना चाहता हूं कि इस फैसले को लिखने का क्रेडिट जस्टिस विश्वनाथन को भी जाना चाहिए।

सरकारी धन गबन मामलों में वित्त विभाग ने जताई नाराजगी

कोष और लेखा व महालेखाकार कार्यालय के अधिकारियों को नहीं बनाया जाएगा गवाह

भोपाल (नप्र)। सरकारी धन के गबन और करप्शन से जुड़े मामलों में कोर्ट और विभागीय जांच के दौरान रिपोर्ट तैयार करने वाले अधिकारियों को गवाही और बयान के लिए बुलाने पर वित्त विभाग ने कड़ा एतराज जताया है। विभाग ने साफ निर्देश जारी किए हैं कि स्टेट फाइनेंसियल सेल और महालेखाकार कार्यालय (एजी) के अधिकारी-कर्मचारियों को किसी भी स्थिति में गवाह या अभियोजन साक्षी नहीं बनाया जाएगा। वित्त विभाग के अपर सचिव रोहित सिंह ने सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव, संचालक लोक अभियोजन, विभागाध्यक्ष, संभागायुक्त, कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ को पत्र भेजकर नए निर्देश दिए हैं।

पेमेंट डेटा और आंतरिक ऑडिट करता है एसएफआईसी

स्टेट फाइनेंसियल सेल, आयुक्त कोष और लेखा कार्यालय के अधीन काम करता है। यह इंटीग्रेटेड फाइनेंसियल मैनेजमेंट इंफार्मेशन सिस्टम के जरिए बजट नियंत्रण अधिकारियों द्वारा किए गए भुगतान का डेटा एनालिसिस करता है। साथ ही, अलग-अलग कार्यालयों का आंतरिक लेखा परीक्षण (इंटरनल अकाउंट ऑडिट) भी करता है। गबन की स्थिति सामने आने पर संबंधित विभाग को ही एफआईआर और विभागीय जांच कराना होता है।

● **महालेखाकार को गवाह बनाने पर रोक** – वित्त विभाग ने कहा है कि महालेखाकार की आडिट रिपोर्ट नियमों के अनुसार ही होती है। यदि कोई आपत्ति गलत लगती है तो उस पर सीधे महालेखाकार कार्यालय को पत्र भेजा जा सकता है। वहीं सही आपत्ति मिलने पर संबंधित विभाग को कार्रवाई करनी होगी। विभाग ने साफ कर दिया है कि एजी कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारी को न्यायालय में पेश होने की आवश्यकता नहीं है।

● **विभागीय स्तर पर होगी कार्रवाई**– वित्त विभाग ने एमपी वित्तीय संहिता के नियम 22, 23 और 25 का हवाला देते हुए कहा है कि गबन और भ्रष्टाचार मामलों में विभागीय और कानूनी कार्यवाही, जिम्मेदारी तय करना और शासन को हुई हानि की वसूली की जिम्मेदारी संबंधित विभागाध्यक्ष की होगी।

छिंदवाड़ा ने स्वच्छता में रचा इतिहास, फिक्की राष्ट्रीय पुरस्कार से हुआ सम्मानित

वॉश ऑन व्हील्स नवाचार बना देश के लिए प्रेरणा, कई प्लेटफार्म पर सराहा गया नवाचार

भोपाल (नप्र)। छिंदवाड़ा जिले ने स्वच्छता के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धि प्राप्त कर प्रदेश का नाम राष्ट्रीय पटल पर रोशन किया है। जिला पंचायत छिंदवाड़ा को अभिनव ''वॉश ऑन व्हील्स'' नवाचार के लिए प्रतिष्ठित इंडिया सेनीटेशन कोएलिशन फिक्की राष्ट्रीय पुरस्कार 2025 से नवाजा गया है। इसे सतत रखरखाव एवं सामुदायिक प्रबंधन श्रेणी में प्रदान किया गया, जिसके साथ ढाई लाख रुपये की नकद राशि भी प्राप्त हुई। नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में छिंदवाड़ा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अग्रिम कुमार ने यह पुरस्कार प्राप्त किया। छिंदवाड़ा देश का पहला जिला स्तरीय संगठन बन गया है, जिसे इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

छिन्दवाडा वॉश ऑन व्हील्स को राष्ट्रीय स्तर पर लगातार प्रशंसा मिल रही है। भोपाल में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस नवाचार की सराहना की थी। इसके अलावा, यह मॉडल राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित पत्रिका अकॉलैड्स में भी स्थान पा चुका है जो मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय है।

वॉश ऑन व्हील्सः स्वच्छता का अनूठा मॉडल वॉश ऑन व्हील्स नवाचार ने ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालयों की सफाई और रखरखाव की चुनौती का

अभिनव समाधान प्रस्तुत किया है। मोबाइल इकाइयों के माध्यम से गांव-गांव जाकर शौचालयों की नियमित सफाई और रखरखाव सुनिश्चित किया जा रहा है। इस पहल ने न केवल स्वच्छता को स्थायी बनाया, बल्कि सामुदायिक सहभागिता की मिसाल भी कायम की।

फायरिंग के आरोप में फैजान मछली गिरफ्तार

ड्रग तस्कर यासीन मछली का करीबी है, पहले भी कर चुका कई वारदात

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बुधवारा में कुख्यात अपराधी फैजान मछली ने डेढ़ लाख रुपए के लेन-देन के चलते युवक पर फायरिंग कर दी। आरोपी ड्रग तस्कर यासीन मछली का करीबी है। घटना मंगलवार देर रात की है। जांच के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। बुधवार को आरोपी फैजान की गिरफ्तारी कर ली गई।

चाय और बिरयानी का होटल चलाता है फरियादी – टीआई काशीराम कुशवाह के मुताबिक फरियादी दानिश बेग

पिता जफर बेग (30) निवासी खजांची वाली गली बुधवारा चाय और बिरयानी का होटल संचालित करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात करीबन 1:15 बजे मैं और मेरे बड़ा भाई शारिक बेग व उसका दोस्त फरहान हम तीनों हमारे घर के सामने बैठे थे। उसी समय फैजान मछली व दो अन्य लोग एक्टिवा से आए व डेढ़ लाख रुपए के लेन देन की बात को लेकर अभद्रता करने लगे।

अभद्रता का विरोध करने पर फायरिंग की – भाई शारिक बेग ने विरोध किया। इससे गुस्साए फैजान ने करीब आठ राउंड फायर हवा में कर दहशत फैला दी। इसी के साथ शारिक के साथ लात-मुक्कों से मारपीट कर दी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने धारा 296.125(ए),351(2),3(5) बीएनएस एवं 25/27 आर्म्स एक्ट का कायम कर विवेचना में लिया है।

आरोपी को गिरफ्तार कर कट्?टा जब्त किया – पुलिस ने आरोपी फैजान मछली को उसके घर से बुधवार तड़के गिरफ्तार कर लिया है। उसके कब्जे से देसी कट्?टा भी जब्त कर लिया है। फैजान से पूछताछ कर यह भी पता लगाया जा रहा है कि कट्?टा उसने किससे और कितने में खरीदा। फैजान पर पूर्व में बलवा, मारपीट, फायरिंग और अनैतिक कार्य करने के करीब 8 केस दर्ज हैं।

बौद्धिक दिव्यांगजन के विकास एवं पुनर्वास विषय पर हुआ तीन दिवसीय प्रशिक्षण

भोपाल(नप्र)। 'बौद्धिक दिव्यांगजनों के विकास एवं पुनर्वास' विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान सीहोर में आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण 17 से 19 सितम्बर 2025 को आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर द एम्पावरमेंट ऑफ पर्सन्स विथ इंटेलेक्चुअल डिसएबिलिटीज,हैदराबाद तथा जय वकील फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ।

प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों द्वारा बौद्धिक दिव्यांगजनों के सर्वांगीण विकास, पुनर्वास की नवीन तकनीकों, शिक्षा एवं पुनर्वास सेवाओं की सुलभता पर विस्तार से जानकारी दी गई। इसमें विभिन्न जिलों से आए शासकीय अशासकीय बौद्धिक दियांगजनों से सम्बंधित संस्थाओं के विशेष शिक्षकों, पुनर्वास पेशेवरों, सामाजिक कार्यकर्ता एवं अभिभावक शामिल हुए।

कार्यक्रम के उद्घाटन-सत्र में वक्ताओं ने कहा कि बौद्धिक दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए परिवार, समाज एवं संस्थाओं की सामूहिक भूमिका अत्यंत आवश्यक है। प्रशिक्षण के दौरान व्यवहार सुधार, आत्मनिर्भरता, कौशल विकास तथा पुनर्वास संबंधी व्यावहारिक कार्यशालाओं का भी आयोजन किया गया।

समापन-सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। प्रतिभागियों ने ऐसे प्रशिक्षण को उपयोगी बताते हुए कहा कि यह बौद्धिक दिव्यांगजनों की बेहतरी की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

छात्राओं से छेड़छाड़ में फंस गए दिल्ली के 'बाबा'

● मैनेजमेंट कॉलेज में चल रहे 'गंदे खेल' का पर्दाफाश!

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट के पूर्व चीफ स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती पर 17 स्टूडेंट्स से यौन शोषण के आरोपों का बुधवार को खुलासा हुआ। छात्राएं इंस्टीट्यूट में ईडब्ल्यूएस स्कॉलरशिप के तहत पीजीडीएम (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट) कर रही हैं। चैतन्यानंद पर

उनसे गंदी बातें करने, अश्लील मैसेज भेजने और जबरन छूने का आरोप है। चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थ सारथी के खिलाफ 4 अगस्त को वसंत कुंज नॉर्थ पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई थी। तब वह इंस्टीट्यूट का प्रमुख था। उसे 9 अगस्त को पद से हटाकर निष्कासित किया गया था। एफआईआर दर्ज होने के बाद से चैतन्यानंद फरार है। पुलिस को यूपी के आगरा में उसकी लोकेशन मिली है।

अब एच-1बी वीजा की टेंशन खत्म करेगा भारत!

● सरकार ने बनाया है तगड़ा प्लान! बढ़ रहे हैं ऑप्शंस

एमबीबीएस की भी हजारों सीटों में होगा बड़ा इजाफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1 बी वीजा की नई शर्तें लागू करके विदेशी छात्रों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं, लेकिन यह ज्यादा दिन चलने वाला नहीं है। भारत सरकार ने इससे निपटने के लिए कमर कस ली है। देश को हायर एजुकेशन का हब बनाने की कवायद जारी है। एमबीबीएस की सीटें बढ़ेंगी, स्टूडेंट्स इंटर्नशिप का खास ध्यान रखा जाएगा और आईआईटीएस में टीचिंग कोर्सेज शुरू करने के साथ-साथ नए अवसर खोजने का काम किया जाएगा।

दरअसल, एच1-बी वीजा पर नई शर्तों ने अमेरिका में पढ़ाई करने का सपना देख रहे भारत समेत दुनियाभर के छात्रों की टेंशन बढ़ा दी है। अब फीस बढ़ाकर एक लाख डॉलर कर दी गई है।

कैबिनेट मीटिंग में फैसला, 10.91 लाख कर्मचारियों को फायदा मिलेगा

रेलवे कर्मचारियों को 1866 करोड़ रुपए दीवाली बोनस देगी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने रेलवे कर्मचारियों को दीवाली पर बोनस देने का ऐलान किया। आज यानी 24 सितंबर को हुई कैबिनेट मीटिंग में रेलवे कर्मचारियों के लिए 78 दिन के प्रोडक्टिविटी-लिंक्ड बोनस को मंजूरी दी गई। इसके लिए 1,866 करोड़ रुपए का बजट दिया गया, जिसका फायदा 10.91 लाख रेलवे कर्मचारियों को मिलेगा। यह बोनस कर्मचारियों की 78 दिन की सैलरी के बराबर है, जिसे हर साल की तरह इस बार भी दुर्गा पूजा-दशहरा की छुट्टियों से पहले नॉन गजेटेड रेलवे कर्मचारियों दिया जाएगा। इस

बोनस के तहत हर एक एलिजिबल रेल कर्मचारी को अधिकतम 17,951 रुपए मिलेंगे। यह राशि ट्रैक मेंटेनर, लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर (गार्ड), स्टेशन मास्टर, सुपरवाइजर, टेक्नीशियन, टेक्नीशियन हेल्पर, पॉइंट्समैन, मिनिस्टीरियल स्टाफ और अन्य ग्रुप सी कर्मचारियों को दी जाएगी।

यह बोनस रेल कर्मचारियों को और बेहतर काम करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे रेलवे के प्रदर्शन में सुधार होता है। साल 2024-25 में भारतीय रेलवे का प्रदर्शन शानदार रहा। रेलवे ने रिकॉर्ड 1614.90 मिलियन टन माल ढोया और करीब 7.3 अरब यानी 730 करोड़ यात्रियों को उनके डेस्टिनेशंस तक पहुंचाया।

राहुल गांधी जल्द हाइड्रोजन-यूरेनियम बम फोड़ने वाले हैं

● जयराम रमेश बोले-अब बिहार में महागठबंधन सत्ता संभालेगा ● कहा-सीडब्ल्यूसी की मीटिंग के बाद तेलंगाना में सरकार बनी

पटना (एजेंसी)। आजादी के बाद पहली बार 24 सितंबर को पटना में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक हुई। इस मीटिंग में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी समेत कांग्रेस से सीनियर लीडर मौजूद रहे। बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, बीजेपी नीतिश कुमार को मेंटली रिटायर्ड मान चुकी है। वो उन्हें बोझ मानती है। इसके साथ ही उन्होंने बेरोजगारी, किसान, बाढ़ को लेकर एनडीए पर निशाना साधा। वोटर वेरिफिकेशन को लेकर चुनाव आयोग को घेरा। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा

कि, तेलंगाना में सितंबर 2023 में ऐसी ही मीटिंग हुई थी और 2 महीने के अंदर कांग्रेस की सरकार बनी थी। राहुल गांधी मिनी हाइड्रोजन बम, हाइड्रोजन बम, यूरेनियम बम सहित अलग-अलग बम फोड़ने वाले हैं।

देश में लाखों लोगों के वोट काटने की साजिश

बिहार की ही तर्ज पर अब देशभर में लाखों लोगों के वोट काटने की साजिश रची जा रही है। वोट चोरी का मतलब है- दलित, आदिवासी, पिछड़ा, अति-पिछड़ा, अल्पसंख्यक, कमजोर और गरीब के राशन की चोरी, पेंशन चोरी, दवाई चोरी, बच्चों की स्कॉलरशिप और परीक्षा की चोरी। लोकतंत्र का आधार है-निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव, लेकिन आज चुनाव आयोग की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर ही सवाल उठ रहे हैं। इसे लेकर कई खुलासे भी हुए हैं।

किसानों की आय दोगुनी पर सरकार फेल

प्रधानमंत्री अपने वादे के मुताबिक किसानों की आय दोगुनी नहीं कर पाए। 2020-21 के तीन काले कानूनों की वजह से आंदोलन चला, 750 से अधिक किसान शहीद हो गए। बिहार में बेरोजगारी दर 15 फीसदी से ऊपर है। हर साल लाखों युवा पलायन करते हैं। भर्ती घोटाले की वजह से युवा सड़कों पर आंदोलन करके पुलिस की लाठी खाते हैं। एनडीए गठबंधन में आंतरिक कलह अब खुलकर सामने है। नीतिश कुमार को भाजपा ने मानसिक रूप से रिटायर कर दिया है।

लैंड फॉर जॉब केस में लालू और राबड़ी को हाजिर होने के आदेश

● बिहार चुनाव से पहले तेजस्वी को भी राउज एवेन्यू कोर्ट ने बुलाया, 13 अक्टूबर को सुनवाई

पटना (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले लैंड फॉर जॉब मामले में लालू परिवार को झटका लगा है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 13 अक्टूबर को राजद सुप्रीमो लालू यादव, तेजस्वी यादव और राबड़ी देवी को कोर्ट में हाजिर होने के निर्देश दिए हैं। सीबीआई ने आरोप लगाया है कि जिन लोगों को रेलवे में नौकरी मिली, उनके परिजन ने जो जमीनें लालू परिवार को दीं, वे जमीनें सर्कल रेट पर दर्ज थीं।

देवास नाका पर लसूड़िया थाने से 500 मीटर दूर मेन रोड पर लगे गरबा आयोजन के विशालकाय होर्डिंग का लोहे का एंगल अचानक टूटकर नीचे गिर पड़ा। हादसे में एक महिला के सिर पर चोट आई। गनीमत रही कि बड़ा हादसा टल गया। स्थानीय लोगों ने सवाल उठाए कि ऐसे अवैध व बिना अनुमति के लगाए गए होर्डिंग्स पर न तो रोक लगती है और न हादसों के बाद जिम्मेदारों पर कार्रवाई होती है। लोग इसे प्रशासन की लापरवाही बता रहे हैं।

ट्रक हादसे पर हाईकोर्ट में सुनवाई, पुलिस लापरवाही पर कड़ी नाराजगी

अगली सुनवाई 10 अक्टूबर को इंदौर खंडपीठ में की जाएगी

इंदौर। एयरपोर्ट रोड पर 15 सितंबर को हुए भीषण ट्रक हादसे के मामले में मंगलवार को जबलपुर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। मामले की जांच और पुलिस लापरवाही पर युगलपीठ ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। हाईकोर्ट में पुलिस कमिश्नर इंदौर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से और ट्रैफिक डीएसपी व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए। शासन की ओर से पेश स्टेटस रिपोर्ट में बताया गया कि प्रारंभिक जांच में दोषी पाए गए 9 पुलिस कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है। उनके खिलाफ जल्द ही चार्जशीट दायर की जाएगी। युगलपीठ ने स्टेटस रिपोर्ट को सीलबंद कवर में रखने के निर्देश दिए और याचिका को इंदौर खंडपीठ स्थानांतरित कर अगली सुनवाई 10 अक्टूबर निर्धारित की। हादसा उस समय हुआ जब ट्रक चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए लगभग एक किलोमीटर तक कई वाहनों को टक्कर मारी। इसमें दो लोगों की घटनास्थल पर मौत हो गई, जबकि एक युवक इलाज के दौरान घायल हो कर जीवन से हाथ धो बैठा। लगभग एक दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हुए और अस्पताल में भर्ती हुए। हाईकोर्ट ने इस घटना को कानून-व्यवस्था और प्रशासन की बड़ी विफलता बताया। न्यायालय ने कहा कि यदि नियमों का कड़ाई से पालन होता तो शायद यह दर्दनाक हादसा टाला जा सकता था। पुलिस और सरकार को निर्देश दिए गए कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक सावधानियां अपनाई जाएं। डीसीपी ट्रैफिक ने व्यक्तिगत रूप से स्टेटस रिपोर्ट पेश की और उप महाधिवक्ता ने बताया कि सड़क सुरक्षा के दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं।

ठेला लगाने की बात पर मारा चाकू

इंदौर। पुलिस की तमाम सख्ती के बाद भी मारपीट की घटनाएं कम नहीं हो रही है। सोमवार को तुकोगंज क्षेत्र में सब्जी का ठेला लगाने की बात पर बाप बेटे ने युवक को चाकू मार दिया। घटना मालवा मिल इलाके की है। फरियादी महेंद्र पिता मंगल सिंह मरमट निवासी रुस्तम का बगीचा की शिकायत पर पुलिस ने विनोद खांडेकर और उसके बेटे राजवीर पर केस दर्ज किया है। फरियादी ने बताया कि मैं ठेले पर सब्जी बेच रहा था। मेरे ठेले के पास ही विनोद अपने बेटे के साथ ठेला लगाता है। मैंने विनोद को ठेला दूर लगाने को कहा तो दोनों विवाद करने लगे और हमला कर दिया।

पति ने गुस्से में घर में तोड़फोड़ की

इंदौर। पति को मोबाइल चलाने से पत्नी ने मना किया तो उसके साथ मारपीट कर घर में तोड़फोड़ कर दी। चंदन नगर पुलिस ने फरियादी शालू की रिपोर्ट पर पति जितेंद्र पिता राधेश्याम पर केस दर्ज किया है। शालू ने बताया कि पति आए दिन शराब पीकर घर आता है। सोमवार को जितेंद्र घर आया और मेरा मोबाइल चलाने लगा। इस पर मैंने कहा कि तुम मेरा मोबाइल क्यों चला रहे हो, इस बात पर उसने डंडे से मारपीट कर मोबाइल फेंक दिया। इसके बाद टीवी, फ्रीज और अन्य सामान में तोड़फोड़ कर भाग गया।

भाजपा कार्यालय के पास युवक पर हमला

इंदौर। भाजपा कार्यालय के पास खड़े युवक पर विवाद के चलते आरोपियों ने हमला कर दिया। फरियादी सावन पिता प्रेमलाल बोरकर निवासी ग्राम सनावद की शिकायत पर संयोगितागंज पुलिस ने सोनू पिता हनुमत सिंह निवासी मूसाखेडी और सुखराम पिता दौलतराम पटेल निवासी मूसाखेड़ी पर केस दर्ज किया है। फरियादी के अनुसार, सोमवार रात 10.30 बजे सोनू और सुखराम आए और मेरे साथ मारपीट की।

तस्कर को ब्राउन शुगर सहित पकड़ा

इंदौर। बाणगंगा पुलिस ने डेढ़ लाख की ब्राउन शुगर के साथ तस्कर को ग्राम सुखलिया से आरोपी विनायक उर्फ वीणू उर्फ वीनू पिता केदारनाथ योगी निवासी योगी भवन भागीरथपुरा को पकड़ा। उसके कब्जे से 12.80 ग्राम मादक पदार्थ मिला है। फिलहाल पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर उसके ड्रग तस्करी नेटवर्क के बारे में पूछताछ कर रही है।

बाणेश्वरी बस के चालक को पीटा, केस दर्ज

इंदौर। तीन दिन पहले अरविंदो अस्पताल के पास राहगीरों ने बाणेश्वरी ट्रेवल्स की बस के चालक को जमकर पीट दिया। राहगीरों का कहना है कि चालक बस को तेज गति से चला रहा था। मारपीट का वीडियो मंगलवार को वायरल होने के बाद बाणगंगा पुलिस ने अज्ञात लोगों पर केस दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, तेज बस की रफ्तार देख कुछ लोगों ने उसे रोका। ड्रायवर ने बस रोकी तो लोगों ने ड्रायवर को नीचे उतरने के लिए कहा। जैसे ही वह नीचे उतरा तो लोगों ने उसकी पिटाई शुरू कर दी। ड्रायवर भागने लगा तो भीड़ ने फिर उसे पकड़ा और तीन-चार तमाचे जड़े। लोगों को कहना था कि सड़क पर दोपहिया वाहन चलते हैं। ट्रैफिक ज्यादा रहता है, लेकिन बस ड्रायवरों बसों की स्पीड कम नहीं करते। हार्न बजाते हुए तेजी से निकलते हैं। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने बीच-बचाव कर ड्राइवर को बचाया और बस से रवाना किया। 18 सितंबर की रात को तेज रफ्तार बस ने इंदौर-सांवेर रोड पर एक परिवार के चार लोगों की जान ले ली। वह बस भी विधायक गोलू शुक्ला की थी। इतना बड़ा हादसा होने के बावजूद बस ड्रायवर की जमानत हो गई।

बायपास पर चलती कार में आग

इंदौर। बायपास पर चलती कार में आग लग गई। चालक की सक्रियता से वह बच निकला। घटना रात 8 बजे की है। कनाड़िया थाने की टीम क्षेत्र का भ्रमण कर रही थी। तभी कार में आग लगती दिखाई दी। तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड को बुलाई और कार की आग पर काबू पाया। चालक ने बताया कि वह किसी काम से राऊ आया था, यहां से अपने घर शिप्रा जा रहा था, तभी स्पार्किंग हुआ तो कार रोकी और उतरकर देखा तो उसने आग लग रही थी।

छात्राओं को परेशान करने वाला पकड़ाया

इंदौर। जूनी इंदौर में नाबालिग लड़की को अश्लील मैसेज भेजने, कॉल कर परेशान करने के मामले में पीड़िता ने आरोपी की शिकायत की। इसके बाद आरोपी रोशन और जितेन्द्र ने रात में पीड़िता के भाई के साथ मारपीट की। पीड़िता ने बताया कि उसकी बेटी 17 साल की है, जिसे रोशन मोबाइल पर अश्लील मैसेज भेजता है, बाद में उसे डिलीट कर देता है। पीड़िता ने इसके स्क्रीन शार्ट लेकर रखे थे। इसे लेकर दोपहर में पीड़िता अपनी मां के साथ थाने पहुंची और एफआईआर दर्ज कराई थी।

पारिवारिक विवाद में महिला ने चुन्नी से लटककर खुदकुशी की

देवरानी ने देखा तो फंदे से उतारा, पर तब तक मौत

इंदौर। पारिवारिक विवाद के चलते महिला ने चुनरी से गला कसकर आत्महत्या कर ली। 10 साल के बेटे ने सुबह मां को चुनरी कसते देखा था तो मां ने कहा था कि मैं तो ऐसे ही कस रही हूं। दोपहर में वह कमरे में सोने चली गई, जब काफी देर तक वह कमरे से बाहर नहीं आई तो देवरानी उसे उठाने गई थी, तो महिला फंदे पर लटकी मिली। खुड़ैल पुलिस के मुताबिक घटना के समय अंजुम के दोनों बच्चे बाहर खेल रहे थे। वह कमरे में चली गई और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। देर शाम देवरानी ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन जब कोई जवाब नहीं मिला तो खिड़की से झांककर देखा। वहां अंजुम फंदे पर लटकी दिखी। परिवार के सदस्य कादिर ने बताया कि अंजुम के पति अमजद सोनकच्छ गए हुए थे, जहां उनका जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। इसी दौरान घर पर यह घटना हुई। कादिर के पिता ने बताया कि शाम को अंजुम मवेशियों को खाना देने के बाद दूध लाने बर्तन देकर कमरे में चली गई थी।

जहां मकान गिरा वो जमीन शमशुद्दीन ने कोर्ट में केस जीतकर नगर निगम से ली

सड़क चौड़ीकरण में आया था मकान, उसके बदले यह जमीन मिली

इंदौर। रानीपुरा में सोमवार रात हुए हादसे में शमशुद्दीन और उसके भाइयों के परिवार के दो लोगों की मौत और एक दर्जन सदस्य घायल हो गए थे। यह परिवार शमशुद्दीन के पिता हाजी उमर मोहम्मद अपने तीन बेटों मुस्तकीम, शमशुद्दीन अंसारी और रफीक के साथ यहां वर्ष 1990 से रहता था। उस समय मुख्य सड़क के आधे हिस्से में इनका मकान था।

वर्ष 2000 में जब कैलाश विजयवर्गीय महापौर बने, तब क्षेत्र की आबादी बढ़ने से मुख्य सड़क को चौड़ीकरण की योजना बनाई थी। शमशुद्दीन के घर के पास रहने वाले जौहर खान ने बताया कि सड़क चौड़ीकरण के दौरान जब निगम ने शमशुद्दीन को बेदखली का नोटिस दिया तो परिजन ने आपत्ति ली। इसके बाद परिजनों ने कोर्ट में केस दायर कर दिया। वर्ष 2008 तक कोर्ट में केस चलने के बाद निगम को हार का सामना करना पड़ा। तब निगम ने शमशुद्दीन का मकान हटाकर उसे 56 दुकान या ट्रांसपोर्ट नगर में प्लॉट देने को कहा, लेकिन शमशुद्दीन ने दोनों जगह प्लॉट लेने से इनकार किया। तब निगम ने उसे वहीं सामने खाली पड़ा 20 बाय 50 का प्लाट दे दिया। इस प्लॉट के समीप से नाले बह रहा था। शमीउद्दीन ने नाले को पैक कर उस पर वर्ष 2010 में तीन मंजिला भवन खड़ा कर दिया। इसमें बेसमेंट खाली रखा। नीचे तीन दुकानें और एक गोदाम बनाया। तीनों फ्लोर पर शमशुद्दीन और उसके दो भाई परिवार के साथ रहने लगे।

लोगों ने की थी शिकायत

नाले के ऊपर बेसमेंट होने से गंदे पानी का लीकेज आने लगा। धीरे-धीरे बेसमेंट में गंदा पानी भराने लगा। ऊपर से भी बारिश का पानी भराता था। बेसमेंट का पानी नहीं निकालने से उसमें बदबू आती थी। बदबू से आसपास के लोग भी परेशान थे। वे शमशुद्दीन से इसकी सफाई के लिए कहते थे। लेकिन, भाइयों से विवाद के चलते उसने सफाई के लिए गंभीरता नहीं दिखाई।

तीन दिन पहले लगा था धक्का

रहवासी नवाब खान ने बताया कि तीन दिन पहले निगम का अमला सफाई के लिए आया था। इस दौरान बेसमेंट के एक पिलर में जेसीबी का हल्का धक्का लग गया था। इसके बाद मकान अंदर की ओर झुक गया। तभी से शमशुद्दीन को यह अंदेशा हो गया था कि कुछ हानि हो सकती है। शमशुद्दीन साउथ तोड़ा पर लैथ मशीन का काम करता था। जबकि, दोनों भाइयों की मकान के पीछे चाय की दुकान थी। नीचे तीन दुकानें बना रखी थी। इन दुकानों को लेकर भी परिवार में मनमुटाव चल रहा था। इसके चलते तीनों दुकानें खाली पड़ी थी। जबकि, शमशुद्दीन के अपने गोदाम में इलेक्ट्रानिक दुकान का सामान भरा था।

पास में गली और पीछे मंदिर

शमीउद्दीन के घर के समीप 4 फीट की सड़क थी। इस सड़क से वाहन चालक और आमजन रानीपुरा से होते हुए दौलतगंज तक जाते थे। पीछे माताजी का मंदिर था। गली में रात को असामाजिक तत्व डेरा डालते थे। शमशुद्दीन का मकान जिस तरफ गिरा, वहां एल्युमिनियम सेक्शन की दुकान थी। वह दुकानदार दुकान बंद करने के लिए शटर खींच रहा था, तभी मकान गिर गया, जिससे वह दुकान में ही फंस गया था। उसी ने पुलिस और नगर निगम को मकान गिरने की शिकायत की।

2-2 लाख की सहायता मिलेगी

सोमवार रात रानीपुरा में हुए घटना पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुखद बताते हुए मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ हेतु प्रार्थना की है। उन्होंने कहा कि रानीपुरा में क्षतिग्रस्त भवन के गिरने से हुए हादसे में जान गवाने वाले दो व्यक्तियों के परिवारों को 2-2 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

एसएफएल ने मटेरियल के सैंपल लिए

रानीपुरा में सोमवार रात गिरे मकान का मटेरियल का सैंपल चेक करने एसएफएल की टीम पहुंची थी। टीम ने आसपास के रहवासियों से घटनाक्रम का जायजा लिया। टीम मटेरियल की गुणवत्ता चेक करेगी। जांच में मटेरियल घटिया होना पाया गया तो दुकानदार पर कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी। एसएफएल टीम के अधिकारियों को लोगों ने बताया कि मकान की साइड वॉल के डैमेज होने के बाद धीरे धीरे वह झुकने लगा था। पूरा वजन एक तरफ आने से वह भरभरा कर गिर गया। रानीपुरा स्थित तीन मंजिला इमारत अचानक भरभराकर गिर गया था। घटना रात करीब 9 बजकर 15 मिनट पर हुई, जब लोग घरों में ही थे। अचानक हुई इस दुर्घटना से वहां अफरा-तफरी मच गई। इमारत गिरते ही जोरदार आवाज हुई और चारों तरफ धूल का गुबार फैल गया। हादसे के बाद आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े और अपने स्तर पर बचाव कार्य शुरू किया।

एक्टिवा सवार महिला की लोडिंग वाहन की टक्कर लगने से मौत

बेटा गंभीर रूप से घायल, पोलो ग्राउंड चौराहे की घटना

इंदौर। पोलोग्रांउड इलाके में मंगलवार दोपहर सड़क हादसे में महिला की मौत हो गई। उसका बेटा गंभीर घायल है। बताया जाता है कि दोनों स्कूटर से जा रहे थे। इसी दौरान उन्हें एक लोडिंग ऑटो ने टक्कर मार दी। पुलिस ने लोडिंग ऑटो रिक्शा जब्त कर ली। घटना सदर बाजार इलाके की है। यहां पोलोग्रांउड के यहां एक लोडिंग ऑटो टर्न ले रहे स्कूटर को टक्कर मार दी। इस दौरान स्कूटर सवार रजत पाल निवासी बड़ी ग्वालटोली घायल हो गए। गाड़ी पर पीछे बैठी महिला सुनीता पाल की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि लोडिंग रिक्शा ने डिवाइडर की तरफ महिला को दबा दिया। जिसमें महिला का सिर पिचक गया। पुलिस के मुताबिक हादसे के बाद महिला के परिजनों को सूचना दी। पुलिस ने घायल को उपचार के लिए एमवाय भेजा है। घटना दोपहर ढाई बजे हुई। इस घटना के बाद चौराहे पर भारी भीड़ जमा हो गई और ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई।

सदर बाजार पुलिस ने बताया कि छोटा हाथी लोडिंग वाहन (एमपी-09-एलक्यू-4418) तेज गति से पोलोग्राउंड तरफ से आकर गांधीनगर तरफ जा रहा था। वाहन में नमकीन के बाक्स भरे हुए थे। इसी दौरान एक्टिवा से महिला सुनीता पति सुरेश पाल (50) निवासी मरीमाता चौराहा जा रही थी। तभी छोटा हाथी वाहन से चालक ने नियंत्रण खो दिया और सीधे महिला की एक्टिवा में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद महिला का शव काफी देर तक सड़क पर ही पड़ा रहा, जिससे पोलोग्राउंड चौराहे पर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत सदर बाजार पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सदर बाजार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर अस्पताल पहुंचाया।

परिजनों का फूटा गुस्साः पुलिस ने मृतक महिला के परिजनों को घटना की जानकारी दी। खबर मिलते ही परिजन बदहवास हालत में मौके पर पहुंचे और शव को देखकर उनका गुस्सा फूट पड़ा। पुलिस ने समझाइश देकर परिजनों को शांत कराया और शव के साथ अस्पताल भेजा। उधर, हादसे से नाराज भीड़ ने वाहन चालक उमेश पिता मोहनलाल भावसार निवासी लक्ष्मीनगर एरोड्रम रोड को पकड़कर उसकी पिटाई कर दी। हालांकि, मौके पर मौजूद कुछ समझदार लोगों ने बीचबचाव किया और आरोपी ड्राइवर को पुलिस के हवाले कर दिया।

पानी की पांच मोटर चुराने वाला उन्हें बेचने से पहले ही पकड़ा गया

इंदौर। कंपनी से पानी की पांच मोटर चुराने वाले बदमाश को बाणगंगा पुलिस ने मशक्कत के बाद गिरफ्तार कर लिया है। चुराई गई मोटर की कीमत चार लाख रुपए हैं। पुलिस आरोपी से अन्य वारदातों को लेकर सघन पूछताछ कर रही है। पुलिस को फरियादी ने बताया कि उसकी लवकुश चौराहा के पास सांवेर रोड पर रेवा बेवरेजेज नामक कंपनी है। यहां पानी फिल्टर का काम होता है। इस काम के लिए कुछ दिन पहले कंपनी ने पांच मोटर खरीदी थी, जो 16-17 सितम्बर की दरमियानी रात चोरी हो गई। पुलिस ने घटना के बाद आरोपी को पकड़ने 70-80 सीसीटीवी कैमरे चेक किए। पुराने नकबजनों, भंगार अटारा खरीदने वालों से पूछताछ की। वहीं मोटर खरीदने वाले दुकानदारों से जानकारी ली। इसी बीच, सूचना पर पुलिस ने मोटर चुराने वाले आरोपी संदीप पिता रामअवतार चौहान निवासी रिंगनोदिया को गिरफ्तार किया। आरोपी ने बताया कि वह कुछ दिनों से कंपनी और उसके आसपास के क्षेत्रों की रेकी कर रहा था। इसी बीच, मौका पाकर मोटर चुरा ली और बेचने की नीयत से टिगरिया बादशाह की तरफ निमार्णाधीन पुलिया के नीचे छिपा दी थी, लेकिन पुलिस दुकानदारों से लगातार संपर्क में थी, इसलिए वह मोटरें बेच नहीं पाया और पुलिस के हत्थे चढ़ गया।

हिंदू युवती को मुस्लिमों की तरह रहने को धमकाया, दुष्कर्म किया

मुस्लिम युवक पर कार्रवाई को लेकर हिंदूवादियों ने थाना घेरा

इंदौर। राऊ की श्रमिक कॉलोनी के दानिश मंसूरी के खिलाफ एक युवती को धमकाने का मामला दर्ज किया गया है। दानिश ने युवती के साथ दुष्कर्म कर उसे लव जिहाद का शिकार भी बनाया। उसने आपत्तिजनक वीडियो भी बनाया। उसे अलग-अलग होटलों में बुलाया और दुष्कर्म किया। युवती की सगाई हुई तो मंगेतर को वीडियो व मैसेज भेज कर रिश्ता तुड़वा दिया।

दानिश का कहना था कि तुम मुस्लिमों की तरह रहा करो, हिंदू बनकर मत रहा करो। नमाज पढ़ा करो। मैं मुस्लिम हूं, तुमसे दूसरी शादी कर लूंगा। 22 वर्षीय पीड़ित युवती एक स्टोर में नौकरी करती थी। इस दौरान दानिश से दोस्ती हुई। पीड़िता की मां हिंदू और पिता मुस्लिम है। लेकिन, युवती हिंदू धर्म मानती है और हिंदुओं की तरह रहती है और हिंदू देवी देवताओं की ही पूजा करती है। दानिश इसलिए उसे धमकाता था। दानिश की शादी हो गई, पर वह दूसरी शादी करने करने का बोलता रहता था। इस वर्ष जून में पीड़िता का रिश्ता तय हो गया, जिसे उसने तुड़वा दिया।

दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बनायाः दानिश ने पीड़िता को धमकाया और युवती के मंगेतर को आपत्तिजनक मैसेज कर दिए। उसने अगस्त माह में मिलने के लिए राजेंद्र नगर स्थित एक होटल में बुलाया और जबरदस्ती कर अश्लील वीडियो बना लिया। इसके बाद पीड़िता को फूटी कोठी, सिरपुर क्षेत्र की अलग-अलग होटलों में बुलाकर शारीरिक संबंध बनाए। उसने पीड़िता के मंगेतर को भी वीडियो भेज दिए।

पुलिस ने कमजोर धारा लगाई

पीड़िता का दानिश पर गुस्सा फूट पड़ा। उसने चप्पल से पिटाई कर दी। रोते हुए कहा तूने मेरी जिंदगी बर्बाद कर दी। हिंदू संगठन के प्रदर्शन के बाद पुलिस ने कायमी की, लेकिन दुष्कर्म की धाराएं लगाई। पुलिस ने लव जिहाद की धारा लगाने में गड़बड़ी कर दी।

हिंदू संगठन ने थाना घेराव

सोमवार रात घटना की जानकारी मिलने पर हिंदू संगठन का कार्यकर्ता अनिल पाटिल सहित 100 ज्यादा कार्यकर्ताओं ने द्वारकापुरी थाने का घेराव कर दानिश मंसूरी को गिरफ्तार करने की मांग की। पुलिस के आनाकानी करने पर थाना घेरकर परिसर में ही बैठ गए। हनुमान चालीसा का पाठ करने लगे। देर रात पुलिस को कायमी कर दानिश को पकड़ना पड़ा।

ट्रक और ट्राले को लेकर ट्रैफिक पुलिस की प्रतिनिधियों के साथ बैठक

प्रतिनिधिमंडल को ट्रैफिक पुलिस ने कई निर्देश दिए

इंदौर। ट्रक, ट्राले और भारवाहक वाहन शहर में कहां खड़े किए जाएं, वे शहर में किन मार्गों से प्रवेश करें, इस संबंध में मंगलवार को यातायात पुलिस ने ट्रांसपोर्ट नगर में ट्रक ऑपरेटर एंड ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक ली। इस बैठक में कहा कि भारी वाहनों को पूर्व से शहरी सीमा में प्रतिबंधित समय में प्रातः 9 से दोपहर 12 बजे तक, सायंकाल 7 से रात्रि 9 बजे तक के समय को छोड़कर प्रवेश की अनुमति रहेगी। आपातकालीन व्यवस्थाओं में से जुड़े वाहन पेट्रोल, डीजल, गैस टैंकर जो शहर में पेट्रोल सप्लाई करने आते हैं। स्वास्थ्य सेवाओं, व्यवस्थाओं से जुड़े वाहन, शासकीय सेवा तथा शासकीय सेवा से जुड़े अनुबंधित, नगर निगम के वाहन, दुग्ध, फल, सब्जी से जुड़े वाहन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत नियंत्रित वस्तुओं की आपूर्ति आदि आकस्मिक सेवाओं या आपातकालीन सेवाओं से जुड़े भारी वाहन नेमावर रोड पालदा से लोहामंडी तक सड़क किनारे खड़े ट्रकों को अब केवल व्यवस्थित ट्रक पार्किंग में ही खड़ा किया जाएगा।

व्यवस्थित यातायात के लिए पुलिस ने 29 भारी वाहनों पर कार्रवाई की

ये वाहन प्रतिबंधित मार्गों पर समय का उल्लंघन कर घुसे

इंदौर। शहर में सुगम सुरक्षित व सुखद यातायात के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देशन में पुलिस द्वारा लगातार यातायात प्रबंधन का कार्य एवं नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की जा रही है।

इस अनुक्रम में वरिष्ठ अधिकारी के निर्देशन में लगातार नो एंट्री में भारी वाहनों पर निगरानी रख प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में मंगलवार को पुलिस प्रशासन के निर्देशों व नियमों का उल्लंघन कर नो एंट्री में भारी वाहनों को लाने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध, इंदौर पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए कुल 29 वाहनों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही की गई।

इन वाहन चालकों को हिदायत दी गई, कि आदेशों की अवहेलना करने पर कार्रवाई की जाएगी। इसलिए प्रशासन द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों का पालन करें। साथ ही सभी को प्रतिबंधित मार्गो का ध्यान रख, निर्धारित समय के अनुसार ही वाहनों को शहरी सीमा में चलाने और प्रशासन द्वारा दिए निर्देशो का पालन कर सहयोग करने की समझाईश दी गई।

संपादकीय

चीन का काउंटर वीजा

आज भले ही अमेरिकी राष्ट्रपति की चालों को 'रूको और देखो' तथा किसी भी तरह से बातचीत से मसले को सुलझाओ' नीति पर चल रहा हो, लेकिन चीन उसे तुर्की ब तुर्की जवाब दे रहा है। अमेरिका द्वारा एच-1बी वीजा सौ गुना महंगा कर दिए जाने के तत्काल बाद चीन ने जवाबी कार्रवाई करते हुए नया 'के' वीजा जारी करने की घोषणा कर दी है। मकसद यही है कि चीन विश्वभर की प्रतिभाओं को अपने यहां आमंत्रित करना चाहता है। यहां तक कि भारतीय भी चीन से अपनी कड़वाहट भुलाकर चीन की इस पहल का स्वागत कर रहे हैं। गौरतलब है कि अमेरिका ने हाल ही में एच-1बी वीज़ा की फीस बढ़ाकर 1 लाख डॉलर यानी लगभग 88 लाख रुपये कर दी है। हालांकि बाद में यह कहा गया है कि यह एक बार ही देनी होगी। लेकिन इसका सर्वाधिक प्रभाव भारत से अमेरिका जाने वाले युवाओ पर ही पड़ेगा। अमेरिकी एच-1बी वीज़ा की शुरुआत साल 1990 में हुई थी। यह वीजा ज़्यादातर साइंस, इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी और मैथमेटिक्स से जुड़े कुशल कर्मचारियों को दिया जाता है। दरअसल अमेरिका की तरक्की का राज ही यह है कि वह दुनियाभर की श्रेष्ठ प्रतिभाओं को अपने यहां बुलाता है और उनकी योग्यताओं का भरपूर दोहन करता है। यह बात अब दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन ने भी पकड़ ली है। इसीलिए उसने भी अगस्त 2025 में साइंस और टेक्नोलॉजी की बेहतरीन प्रतिभाओं को अपने देश में बुलाने के लिए के- वीज़ा शुरू करने का ऐलान किया। ये योजना एक अक्टूबर से शुरू होगी। चीनी समाचार एजेंसी के मुताबिक चीन के मौजूदा 12 तरह के वीज़ा से अलग के-वीज़ा पर आने वालों को देश में प्रवेश, वैलिडिटी पीरियड और यहां रहने के मामले में ज्यादा सुविधा मिलेगी। के-वीज़ा पर चीन आने वाले लोग एजुकेशन, कल्चर, साइंस और टेक्नोलॉजी सेक्टर में काम कर सकेंगे। इसके साथ ही वे यहां उद्योग और बिज़नेस भी शुरू कर सकते हैं। के-वीज़ा की सबसे बड़ी ख़ासियत ये है कि इसे हासिल करने के लिए आवेदक को चीन के एम्प्लॉयर या इंस्टीट्यूट की ओर से आमंत्रण की जरूरत नहीं होगी। इसे जारी करने की प्रक्रिया भी आसान होगी। के वीज़ा नए ग्रेजुएट्स, स्वतंत्र रिसर्चरों और आंत्रप्रन्योर के लिए ज़्यादा सुविधाजनक कहा जा रहा है। हाल के कुछ वर्षों में चीन ने साइंस और टेक्नोलॉजी सेक्टर में भारी निवेश किया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में वो अमेरिका को चुनौती देने की तैयारी में है। अब अमेरिका के टेक सेक्टर के नियम कड़े होने के बाद चीन भारतीय इंजीनियरों और टेक पेशेवरों के लिए पसंदीदा देश हो सकता है। क्योंकि चीन साइंस और टेक्नोलॉजी में भी बड़ी ताकत बनना चाहता है। भारतीय इंजीनियरों को इसका फ़ायदा हो सकता है। साथ ही चीन को भारतीय इंजीनियरों और टेक प्रोफ़ेशनलों का लाभ मिल सकता है। एक संभावना यह भी है कि अब सिलिकॉन वैली में काम करने वाले इंजीनियर चीन का रुख़ कर सकते हैं। भारत और चीन के सुधरते रिश्तों के बाद भारतीयों का चीन जाना आसान हो जाएगा। इसका फ़ायदा भारतीय प्रोफ़ेशनलों को होगा। विशेषज्ञों के अनुसार भारत के चीन के साथ भले ही रिश्ते खराब हों, लेकिन चीन ने शंघाई और शेनज़ेन समेत कई प्रांतों में हाई टेक्नोलॉजी पार्क बनाए हैं। चीन सरकार 2006-07 से भारत के आईआईटी से बड़े पैमाने पर इंजीनियरों को ले जाती रही। 'क्रिटिकल इंजीनियरिंग' में भारत के इंजीनियरों की तादाद ज्यादा है। चीनी कंपनियां टेक्नोलॉजी रिसर्च और इनोवेशन के लिए अपनी सरकार से सस्ता कर्ज लेती हैं लेकिन उनका प्रदर्शन ठीक नहीं है तो भारतीय इंजीनियर उन्हें इस संकट से उबार सकते हैं।

नजरिया

अमन नम्र

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

भारत का संविधान किसी संग्रहालय की वस्तु नहीं - यह एक जीवित दस्तावेज़ है, जो हमारे रोज़मर्रा के लोकतांत्रिक जीवन को दिशा देता है। जस्टिस एस. मुरलीधर के हाल के विस्तृत व्याख्यान का मूल आग्रह यही था कि धर्मनिरपेक्षता, समानता और 'विधि-के-राज' को केवल जुमलों में नहीं, संस्थागत आचरण में उतारा जाए- न्यायपालिका, वकालत, प्रशासन, सेना, विद्यालय - सबमें। भारत कभी भी 'एक भाषा, एक धर्म, एक संस्कृति' का देश नहीं रहा और न कभी हो सकता है। यहाँ हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध और अनेक आदिवासी परंपराएँ समान रूप से फलती-फूलती आई हैं। यही बहुलता भारत की पहचान है और यही गर्व का कारण भी है।

भारत का धर्मनिरपेक्ष मॉडल पश्चिम से अलग है। अमेरिका की तरह यहाँ 'चर्च और स्टेट के बीच सख्त दीवार' नहीं है। फ्रांस की तरह राज्य को धर्म में दखल देने की पूरी छूट भी नहीं है। भारतीय संविधान ने एक अनोखा रास्ता चुना - 'सभी धर्मों को समान आदर और दूरी' का रास्ता। अनुच्छेद 14 और 15 समानता और भेदभाव-निषेध की गारंटी देते हैं। अनुच्छेद 25 से 30 धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों के अधिकार सुरक्षित करते हैं। अनुच्छेद 51(ए)(ई) हर नागरिक का यह कर्तव्य बताता है कि वह धर्म, भाषा, क्षेत्र और लिंग से ऊपर उठकर भाईचारा और सौहार्द्र बढ़ाए।

ओडिशा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रह चुके और रिटायरमेंट के बाद बतौर वकील सक्रिय न्यायमूर्ति एस. मुरलीधर ने दिल्ली के 'इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर' में एक महत्वपूर्ण व्याख्यान में कहा कि 'सेक्युलर शब्द संविधान में 42वें संशोधन (1976) से आया, लेकिन इसकी आत्मा 'संविधान सभा' की बहसों और मूल अधिकारों में पहले से मौजूद थी।' जस्टिस मुरलीधर ने 'संवैधानिक नैतिकता' को प्रशासनिक आचरण की आत्मा बताया यानि शासन और न्याय में सिर्फ़ निष्पक्ष होना काफ़ी नहीं, निष्पक्ष दिखना भी उतना ही आवश्यक है।

मसलन - शपथ के तुरंत बाद न्यायाधीशों का किसी विशेष धर्मस्थल पर बड़े पैमाने पर सार्वजनिक प्रदर्शन। निजी आस्था पर आपत्ति नहीं, पर सार्वजनिक प्रदर्शन से न्याय पर जनता का भरोसा प्रभावित होता है। दिल्ली उच्च न्यायालय के एक सार्वजनिक कार्यक्रम में हवन और मंत्रोच्चार जैसी रस्में, जिन पर जजों ने ही आपत्ति उठाई कि न्यायालय एक धर्मनिरपेक्ष संस्था है; ऐसे आयोजनों की सार्वजनिकता संवेदनशीलता माँगती है।

न्याय, धर्मनिरपेक्षता और हमारा समाज

भारत का धर्मनिरपेक्ष मॉडल पश्चिम से अलग है। अमेरिका की तरह यहाँ 'चर्च और स्टेट के बीच सख्त दीवार' नहीं है। फ्रांस की तरह राज्य को धर्म में दखल देने की पूरी छूट भी नहीं है। भारतीय संविधान ने एक अनोखा रास्ता चुना – 'सभी धर्मों को समान आदर और दूरी' का रास्ता। अनुच्छेद 14 और 15 समानता और भेदभाव-निषेध की गारंटी देते हैं। अनुच्छेद 25 से 30 धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों के अधिकार सुरक्षित करते हैं। अनुच्छेद 51(ए)(ई) हर नागरिक का यह कर्तव्य बताता है कि वह धर्म, भाषा, क्षेत्र और लिंग से ऊपर उठकर भाईचारा और सौहार्द्र बढ़ाए।

जस्टिस मुरलीधर के व्याख्यान ने अयोध्या मामले को 'कानून बनाम लोकप्रिय आग्रह' के रूप में परखा। लंबित मामलों की बाढ़ और 'प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट, 1991' के निर्णय के बाद भी देशभर में ज्ञानवापी, मथुरा इत्यादि से जुड़े कई नए वाद (17 मुक़दमे) दायर हुए। सुप्रीमकोर्ट ने फिलहाल इन पर रोक-टोक जैसे निर्देश दिए, पर मूल प्रश्न है- इस अधिनियम की वैधता पर शीघ्र निर्णय क्यों न हो, ताकि निचली अदालतें बंटी न रहें?

बेंच ने मध्यस्थता की सम्भावनाएँ औपचारिक रूप से आज़माई, पर उसे पर्याप्त समय और अवसर नहीं मिला। पाँच जजों की पूर्व राय और उस दौर की राजनीतिक-सामाजिक संवेदनशीलता देखते हुए, बातचीत से रास्ता और पुख्ता बन सकता था। सुनवाई सितम्बर 2019 में समाप्त हुई और 9 नवम्बर 2019 को फैसला आया। बड़ी, बहु-खंडित फ़ाइलों वाले प्रकरण में यह असामान्य तेजी बताई गई। प्रश्न उठा कि क्या सभी जजों को हज़ारों पन्ने नाप-तौलकर पढ़ने-समझने का पर्याप्त अवसर मिला सन् 1992 की विध्वंस-घटना को सुप्रीम कोर्ट ने स्वयं 'क़ानून के राज का घोर उल्लंघन' कहा, फिर भी उस समय के शीर्ष ज़िम्मेदारों पर अवमानना की कार्यवाही आगे न बढ़ना एक तरह की 'संस्थागत विस्मृति' है। निर्णय के साथ संलग्न एक 'एजेंडा/नोट' का हवाला दिया गया - जो कथित रूप से किसी गुमनाम न्यायाधीश के नाम से था और मुख्य मत से अलग निष्कर्ष पेश करता था। सवाल यह है कि क्या इसे साधारण 'समर्थक मत' की तरह पढ़ना चाहिए था, जबकि निष्कर्ष टकराते दिखते हैं?

चर्चा में यह भी मत आया कि सुप्रीमकोर्ट ने अयोध्या नगर की सीमा में वैकल्पिक ज़मीन का निर्देश दिया, जबकि व्यवहार में स्वीकार्य ज़मीन क़रीब 25 किमी दूर मिली। जब समुदाय के भीतर ही सहमति न बने, तो बाहरी समन्वय और कठिन हो जाता है। इससे सीख मिलती है कि अंतर-समुदाय संवाद जितना ज़रूरी है, अंतर-समुदाय सहमति भी उतनी ही अनिवार्य है।

कर्नाटक के हिजाब विवाद में सुप्रीमकोर्ट की दो-न्यायाधीशों वाली पीठ के विपरीत दृष्टिकोण सामने आए-यही बताता है कि 'धर्म और व्यक्तिगत स्वतंत्रता' के टकराव में न्याय-तर्क कैसे बंट सकता है। स्कूल/कॉलेज को 'समानता के द्वीप' की तरह देखा गया - छात्र 'एक जैसे दिखें, महसूस करें, सोचें,' ताकि अनुशासन बना रहे। धार्मिक प्रतीकों को कक्षा-परिसर में सीमित/वर्जित मानने का आग्रह। संविधान के अनुच्छेद 19(1) (a) (अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) और 21 (गरिमा व निजता) के आधार पर कहा गया कि गेट पर हिजाब उतरवाना छात्रा की गरिमा का अतिक्रमण है। अनुशासन ज़रूरी है, पर स्वतंत्रता और गरिमा की कुर्बानी दे कर नहीं।

अदालतें अक्सर 'अनिवार्य धार्मिक मान्यताओं' पर टिकती हैं - पर यह टेस्ट कभी-कभी न्याय को धर्मशास्त्र की बहस में धकेल देता है। समाधान यह नहीं कि इन मान्यताओं को पूरी तरह ख़त्म कर दें; बल्कि विशेषज्ञ-साक्ष्य और सावधानीपूर्ण सीमांकन ज़रूरी है, वरना हर छोटी प्रथा भी 'अनिवार्य' का दर्जा माँगने लगेगी। एक रोचक, पर शिक्षाप्रद प्रसंग- ओडिशा के हीराकुंड बाँध के उद्घाटन में स्थानीय अधिकारी ने 'राहुकाल' के कारण रिबन-कटिंग का मुहूर्त बाद का सुझाया। जवाहरलाल नेहरू ने स्थल पर पहुँचते ही तुरंत फीता काट दिया। संकेत साफ़ था - लोक-कार्यों में धार्मिक/ज्योतिषीय प्रतिबंध निर्णायक नहीं हो सकते। यानि सार्वजनिक पद पर बैठा व्यक्ति अपनी निजी आस्था रखता है, पर सार्वजनिक निर्णय वैज्ञानिकता, नागरिक हित और संवैधानिकता से निर्देशित होने चाहिए।

सबरीमला निर्णय (4-1) के दो महीने बाद ही रिव्यू में नई संरचना के साथ बहुमत बदल गया; फिर मामला सात-न्यायाधीशों की पीठ को व्यापक प्रश्नों के लिए सौंपकर 'कोल्ड स्टोरेज' में चला गया। संविधान-पीठ के फ़ैसले भी अगर महीनों में अनिश्चित हो जाएँ, तो कानून की 'अंतिमता' (finality) पर समाज का भरोसा डगमगाता है। न्यायपालिका की तरह बार भी ध्रुवीकृत हुआ है। ज़रूरत ऐसे वकीलों की है जो अदालत के सामने निडर होकर कहें - 'यह संवैधानिक रूप से अस्वीकार्य है।' संविधान से 'सेक्युलरिज़्म' हटाओ, 'रीनेमिंग कमीशन' बनाओ आदि की याचिकाएं बार-बार आती हैं और खारिज भी होती हैं; पर ये न्यायिक समय की बर्बादी है और सार्वजनिक विमर्श को हल्का करती हैं। युवा वकीलों का निचली अदालतों में जाकर कठिन मामलों को उठाना - यही लोकतांत्रिक न्यायशास्त्र को मज़बूत करेगा।एक फ़ौजी अफ़सर द्वारा 'ग़ैर-धर्मनिरपेक्ष प्रथाओं' पर आपत्ति उठाने के बाद बर्ख़ास्तगी - फिर अपील खारिज - जैसे प्रसंग सामने आए। यह प्रवृत्ति ख़तरनाक है। धर्मनिरपेक्षता केवल न्यायालय का मूल्य नहीं, सेना से लेकर स्कूल तक हर संस्थान की कार्य-संस्कृति का आधार होना चाहिए।

कुछ पूर्व-न्यायाधीशों का राजनीति में जाना नया नहीं है, पर आवृत्ति बढ़ी-सी लगती है। कुछ न्यायाधीशों के सार्वजनिक वक्तव्यों में 'दैवी-प्रेरणा से निर्णय लिखा' जैसी बातें भी आईं। प्रश्न यह नहीं कि व्यक्ति क्या मानता है; प्रश्न है-निर्णय का तर्क किस पर टिका है? संविधान पर या निजी-आस्था पर?

धर्मनिरपेक्षता का बीजारोपण स्कूलों में हो। सुबह की प्रार्थना, पर्व-उत्सव, कक्षा के आख्यान-सबमें समावेशिता। 'भारत-पाक मैच' या किसी घटना के बाद मुस्लिम बच्चों को 'पाकिस्तानी' कहकर चिढ़ाना-यह दीर्घकालिक आघात छोड़ता है। अनुशासन और समरूपता के नाम पर गरिमा-स्वतंत्रता-विविधता की बलि न चढ़े।

जस्टिस मुरलीधर के व्याख्यान में एक अहम बात थी - अंतर-समुदाय (हिन्दू-मुस्लिम) संवाद जितना ज़रूरी है, उतना ही ज़रूरी इंट्रा-समुदाय (समुदाय के भीतर) सहमति बनाना भी है। अयोध्या में मस्जिद के लिए वैकल्पिक ज़मीन को लेकर वक़्फ़ बोर्ड/स्थानीय पक्षों के बीच अलग-अलग रुख़-इसी ने अंतिम चयन को जटिल बनाया। पहले घर के भीतर बातचीत की संस्कृति मजबूत करें-तभी बाहर से भी सकारात्मक संवाद सम्भव होगा। जस्टिस मुरलीधर का आग्रह स्पष्ट है-न्यायपालिका हो या वकालत, सेना हो या विद्यालय-संवैधानिक नैतिकता को सार्वजनिक आचरण में जड़ देना होगा। अदालतें काउंटर-मेज़ॉरिटेरियन संस्थाएँ हैं-उन्हें लोकप्रिय दबाव नहीं, कानून और अधिकारों से संचालित होना चाहिए। वकीलों को ध्रुवीकरण छोड़कर साहसी संवैधानिक पैरवी करनी होगी। संस्थाओं के भीतर धर्मनिरपेक्ष चरित्र की रक्षा पर सजग रहना होगा। समाज में, विशेषकर स्कूलों में, विविधता का उत्सव मनाना होगा, तभी अगली पीढ़ी 'सेक्युलर इंडिया' को निजी अनुभव के रूप में जी पाएगी, न कि सिर्फ़ किताबों में पढ़ेगी। अंत में, नेहरू-हीराकुंड का पाठ याद रखिए। सार्वजनिक निर्णय मुहूर्त नहीं देखते-नागरिक हित देखते हैं। यही लोकतंत्र की रीढ़ है और यही संविधान का मर्म। (सप्रेस)

दृष्टिकोण

चित्रा माली

गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता)

एडवर्ड सईद और फिलिस्तीन

फिलिस्तीन-इजरायल संघर्ष का विश्लेषण अलग-अलग परिप्रेक्ष्य में लगातार किया जाता रहा है और किया जा रहा है। इस संघर्ष का सबसे बड़ा कारण दोनों देशों का येरूशलेम पर आधिपत्य स्थापित करना है,क्योंकि यह यहूदी,ईसाई और इस्लाम का धार्मिक स्थल है। इज़रायल और फिलिस्तीन दोनों ही इसे अपनी राजधानी बनाना चाहते हैं। दोनों देशों के इस संघर्ष के परिणामों को सोशल मीडिया पर कई वीडियो और फोटोज के माध्यम से जो बेहद ही दर्दनाक है हम सभी ने देखें हैं। युद्ध और संघर्ष की स्थितियां हमेशा ही घातक और खतरनाक साबित होती है इससे हम सभी वाकिफ़ है। लेकिन इससे कोई सबक हम नहीं लेते हैं बल्कि इसके औचित्य को सिद्ध करने में लगे रहते हैं।

बहरहाल यरूशलेम एक ऐसी जगह है जो तीन महान धार्मिक विश्वासों की केंद्र स्थली रही है, एक ऐसा शहर जो संस्कृतियों और धर्मों को अपने में समेटे हुए है यह ज़मीन का ऐसा टुकड़ा है जिसमें आकर सभी एक दूसरे में समा जाते हैं। यरूशलम में ही एडवर्ड सईद का जन्म हुआ था और यरूशलम उनके लिए एक मिथक था। सईद एक संपन्न फिलिस्तीनी ईसाई परिवार में जन्मे थे। सईद के पिता प्रथम विश्वयुद्ध के पूर्व ही अमेरिका चले गए थे और बाद में वे सेना में भर्ती हुए और युद्ध के एक वर्ष बाद अमेरिकी नागरिक के रूप में फिलिस्तीन चले आए और यहीं पर व्यापार करने लगे। व्यापार फिलिस्तीन और मिस्र के बीच होता था जिससे सईद का परिवार कभी भी स्थायी रूप से एक जगह नहीं रहा। अमरीकी नागरिकता के साथ फिलिस्तीन में रहने के कारण उनके व्यक्तित्व में बचपन से ही एक फांक थी। यह एक विचित्र किस्म का सम्मिश्रित व्यक्तित्व था। भाषा को लेकर भी उनका व्यक्तित्व अरबी और अंग्रेजी के बीच बंटा हुआ था।

वे कहते हैं मुझे नहीं मालूम है कि मेरी पहली भाषा कौन-सी है। मुझे बस इतना मालूम है कि ये दोनों भाषाएं मेरे जीवन में हमेशा साथ में रही हैं और एक भाषा में दूसरी भाषा की प्रतिध्वनियां गूंजती रही हैं। कभी विडम्बनात्मक रूप में,कभी नॉस्टेलजिया के रूप में। ज्यादातर तो एक भाषा दूसरी को सुधारती हुई और उस पर टिप्पणी करती रही है। वे कहते है ये दोनों ही भाषाएं मेरी प्रथम भाषा है और शायद दोनों ही नहीं हैं। सईद ने अपनी संस्मरणों की किताब 'आउट ऑफ प्लेस' में इसका जिक्र किया है। वे इस किताब की भूमिका में लिखते हैं कि यह बुनियादी रूप से एक खोयी हुई या विस्मृत दुनिया का वृतांत है। कुछ साल पहले जब मुझे पता चला कि मैं एक असाध्य रोग से ग्रसित हूं तो मुझे महसूस हुआ कि अरब की दुनिया में मैंने जो जीवन जिया और जहां मेरा जन्म हुआ और जहां मैंने अपने आरंभिक वर्ष बिताए थे और अमेरिका में जहां मैंने स्कूल,कॉलेज और विश्वविद्यालय की पढ़ाई पूरी की थी क्यों न उन सब का एक निजी लेखा जोखा तैयार कर आने वाली पीढ़ी के लिए छोड़ जाऊं। मैंने इसमें बहुत सारे लोगों का और जगहों का जिक्र किया है जो अब मौजूद नहीं है लेकिन मुझे आश्चर्य होता है कि वह मेरे जेहन के अंदर कितनी अधिक समायी हुई है। सूक्ष्म ब्यौरों और चकित कर देने वाली ठोस तफसीलों के साथ। वे कहते है कि मुझे लगता है कि जब हमारी स्मृति पर किसी खास तरह की गतिविधियों और उद्देश्यों का नियंत्रण नहीं रहता तो वह ज्यादा बेहतर तरीके से और खुलकर कार्य करती है। स्मृतियों के इस वृतांत को पूरा करने के बाद सईद 1998 में यरूशलम गए और फिर वहां से काहिरा।

सईद के पास अमेरिका का पासपोर्ट था जिसमें उनके यरुशलम में जन्म का उल्लेख था। इस वजह से इजरायली अधिकारी उनसे सवाल पूछते थे कि वे अपने जन्म के कितने समय बाद इसराइल से चले गए थे। सईद इसका जवाब देते

हुए बताते थे कि दिसंबर 1947 में मैंने फिलिस्तीन छोड़ दिया और 'फिलिस्तीन' शब्द पर विशेष जोर देते थे। फिर सईद से दूसरा प्रश्न पूछा जाता कि क्या तुम्हारे रिश्तेदार यहां है? और वे जवाब देते कोई नहीं और गहरे अवसाद में खो जाते क्योंकि 1948 से ही उनका समूचा परिवार इस जगह से उजाड़ दिया गया था और इसके बाद वे वह निर्वासित ही रहे है। 1947 में फलस्तीन छोड़ने के बाद पहली बार वे 1992 में पश्चिम यरूशलम में अपना पैतृक निवास को देखने गए थे जहां उनका जन्म हुआ था। एडवर्ड सईद लिखते है कि उनका अपना घर कहीं नहीं था और दुनिया में हर जगह था।

उन्होंने स्वयं को बीसवीं शताब्दी के उस निर्वासित व्यक्ति के रूप में देखा था जो स्थाई रूप से अनिकेत रहता है। बारह वर्ष की आयु में ही एडवर्ड सईद को हजारों फिलिस्तीनी परिवारों की तरह अपनी जड़-जमीन से उखड़ना पड़ा। इसी विस्थापन या निर्वासन की स्मृतियों को वे लगातार जीते रहे और इसी कारण वे फिलिस्तीनी संघर्ष के प्रमुख प्रवक्ता बन गए थे। फिलिस्तीन की निराश्रित जनता के दुख दर्द से वे पूरी तरह जुड़ गए थे। ये दर्द कहीं न कहीं उनका अपना दर्द था,अपनी जड़ों से विस्थापन का दर्द था, जिसको उन्होंने बेघर और बेदखल फिलिस्तीनी जनता के दर्द से आत्मसात कर अपनी किताब के रूप में विश्व के सामने रखा।

सईद लिखते है कि पिछले तीन दशकों में जो एक सबसे बड़ा तथ्य उभरकर आया है वह यह है कि युद्ध,उपनिवेशवाद की प्रक्रिया और उपनिवेशवाद के खिलाफ लड़ाई,आर्थिक और राजनीतिक क्रांति,अकाल,जातीय नरसंहार और शक्ति के विशाल तंत्र के विनाशकारी परिणामों की वजह से एक विराट संख्या में मनुष्यों की आबादियां अपनी जड़ - जमीन से बेदखल हो गई है। निर्वासित,प्रवासी शरणार्थी और तमाम धकियाये हुए लोग जो अपनी जड़-जमीन से उखड़ गए हैं उन्हें इस नए परिवेश में रहना पड़ता है। वे जो कुछ कर रहे हैं उसमें रचनात्मकता के साथ साथ एक अवसाद को भी देखा जा सकता है। यह उन नए अनुभवों में से एक है जिसका वृत्तांत और ऐतिहासिक अभिलेख अभी लिखा जाना है। फिलिस्तीन में परिस्थितियों के लगातार बिगड़ते जाने के बाद भी एडवर्ड सईद अंतिम समय तक निराश नहीं हुए थे। मुक्ति और शांति के लिए अहिंसक किस्म के संघर्ष की दिशा में अपनी जनता का आवाहन उनकी शक्ति का स्त्रोत बना रहा। सईद का जीवन मनुष्यता के समग्र और अखंडित स्वप्न से जुड़ा हुआ था। सईद ने यह भी साबित किया कि किसी उद्देश्य के लिए समर्पित होने का अर्थ नेतृत्व के प्रति या किन्हीं प्रतीकों के प्रति आंख मूंदकर समर्पित होना नहीं है। आत्म आलोचनात्मक दृष्टि बहस और संवाद का रास्ता हर स्थिति में जरूरी है। सईद सही अर्थों में बौद्धिक बेचैनी, मानवीयता, करुणा और रचनात्मकता से भरे एक बेमिसाल व्यक्तित्व थे।

मोटी कमर वालों की चिंता भी मोटी !

कटाक्ष

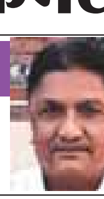

संजय तैलंग

(व्यंग्यकार और पत्रकार)

जापान में मोटी कमर वालों के लिए नौकरियां नहीं हैं, जॉब सिर्फ पतली कमर वालों को ही मिल रहे हैं। मान लीजिए यह खतरनाक नियम हमारे देश में भी पहुंच गया, तो समझो मोटे प्रत्याशियों की तो छुट्टी। नौकरियां केवल पतली कमर वालों को ही मिलेंगी। हमारे देश में पतली कमर या तो फ़िल्मी नायिकाओं की होती है या फिर शरीर सौष्ठव खिलाड़ियों की। अब फ़िल्मी नायिकाएं तो कंपनियों में जॉब करने जाने से रहीं, ऐसे में सिक्स पैक वाले शरीर सौष्ठव खिलाड़ी बाजी मार ले जाएंगे। यही चिंता युवाओं को खाए जा रही है।

फास्ट फूड की दीवानगी में अपनी कमर को भुला बैठे हमारे युवाओं की चिंता वाजिब भी है। दुनिया के अन्य देशों के साथ भारत में भी इस नियम को लागू करने के चांस इसलिए अधिक हैं, क्योंकि यहां भी यह माना जाता है कि पतली कमर वालों की तुलना में मोटे (थुलथुल) लोगों की कार्यक्षमता कम होती है। जब कंपनियां कर्मचारियों की इस विशेषता पर गौर करेंगी तो वे निश्चित रूप से पतली कमर वालों को जॉब में प्राथमिकता देने के बारे में ही सोचेंगी।

यह नहीं है कि हमारे देश के सभी युवा मोटी कमर वाले हैं। आजकल तो युवा पीढ़ी का एक बड़ा हिस्सा जरूरत से ज्यादा हेल्थ कांशियस हो गया है। वे कम खाते हैं, जिम जाते हैं और मोटापे को पास नहीं फटकने देते। लेकिन इसके विपरीत ऐसा युवाओं की भी कमी नहीं है, जो खूब खाते हैं, अगड़म-बगड़म सभी खा जाते हैं और जिम भी नहीं जाते। ऐसे युवा ही जापानी नियम से खौफ खा रहे हैं।

जापान में यह नियम वहां के मेटाबो कानून के तहत लागू किया गया है। यह कानून लोगों में मोटापा और उससे जुड़ी बीमारियों की रोकथाम के लिए है, ताकि देश की तरक्की में छरहरे

युवाओं का योगदान लिया जा सके। यदि साक्षात्कार के समय प्रत्याशी की कमर मानक के अनुरूप मिलती है, और बाद में बढ़ जाती है, तो उसे हेल्थ टिप देकर लेवल में लाया जाता है। ऐसे कर्मचारियों पर वहां पेनल्टी तक लगाने का प्रावधान है।

मान लीजिए यदि भारत में यह नियम लागू हो गया तो कंपनियों के दफ्तरों का दृश्य कैसा होगा। बॉस के केबिन में सिक्स पैक वाला युवा बैठा होगा और टेबलों पर हष्ट-पुष्ट नौजवान नजर आएंगे। यहां तक कि प्यून भी अच्छे शरीर वाला होगा। सोचिए ऐसे हेल्दी वातावरण में कंपनी की कार्य क्षमता तो बढ़ेगी ही, वहां आने वालों को भी बेहतर महसूस होगा। ऐसे दफ्तर में तो हर कोई जाना चाहेगा।

पहले हिंदी फिल्मों में नायक-नायिका दुबले-पतले न भी हो तो काम उनके अभिनय और सुदर्शन चेहरे से चल जाता था। लेकिन अब फिल्मों में वह दौर गुजर गया। अब तो नायक-नायिकाओं में कमर पतली करने की होड़ लगी दिखाई देती है। कहते हैं इसके लिए वे खाने- पीने में परहेज रखते हैं। इससे उनकी अभिनय की दुकानें अच्छी चल रही हैं। अभिनय से बचा वक्त अभिनेता डाइनिंग रूम के बजाय जिम में बिताते हैं और कमर तक पसीना बहाते हैं। पतली कमर पर तो अनेक हिट गाने भी बने, जो खूब चले हैं।

वैसे जापान में जिस फ़ॉर्मूले पर यह कानून बना है, वह हमारे पूर्वज बहुत पहले से जानते थे और इस बारे में ताकीद भी करते थे। हमारे पूर्वजों ने इस कानून से मिलता-जुलता गूढ़ रहस्य समझाते हुए कहा था 'उत्तम स्वास्थ्य-लाख नियामत'। उन्होंने अच्छी सेहत का राज बताया था-कम खाओ-गम खाओ। अब हमारे युवा अपने पूर्वजों की बात नहीं मानकर फास्टफूड के पीछे भागेंगे, तो कमर का सत्यानाश तो होना ही है। कमर गई तो नौकरी मुश्किल, नौकरी नहीं तो छोकरी मिलना भी मुश्किल होगा।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी

कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल

संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी

स्थानीय संपादक
हेमंत पाल

प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

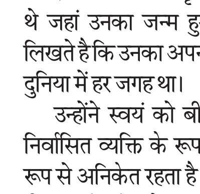

ज्योति जैन

लेखक व्यंग्यकार है

किसम किसम के चश्मे और दृष्टि दोष

जब चश्मे का ज़िक्र चलता है तो कई तरह के चश्मे ध्यान आ जाते हैं। गोल चश्मे, चौरस चश्मे, चेहरे के हिसाब से, हीरो की स्टाइल के चश्मे, अमिताभ बच्चन का काली मोटी फ्रेम वाला चश्मा, गांधी छाप चश्मा...कई तरह के चश्मे। हर एक के चेहरे के हिसाब से अलग-अलग। पतली फ्रेम, मोटी फ्रेम, महंगी, सस्ती, अनब्रेकेबल, धातु कि कई तरह के चश्मे। लेकिन मैं यहां किसी और ही चश्मे की बात कर रही हूं। हमारे समाज में आजकल हर एक को देखने के लिए अलग-अलग प्रकार के चश्मे है। यानी कि नज़रिया....।

किसी एक व्यक्ति को देखने का नज़रिया अलग, दूसरे व्यक्ति को देखने का नज़रिया अलग। तो ये जो चश्मा है, ये क्लास के साथ बदल जाता है।

जब मध्यम वर्ग की बात होती है तो नज़रिया अलग, जब निम्न वर्ग की बात हो तो नज़रिया अलग और जब एलीट क्लास की बात हो तो नज़रिया बिलकुल ही अलग। उदाहरण के लिए एलीट क्लास का व्यक्ति अगर चने खा रहा है तो कहते हैं, उनका तो शौक है और वे सेहतमंद रहने के लिए चना खा रहे हैं, हाई प्रोटीन जो है। लेकिन बेचारा निम्न वर्ग का व्यक्ति खा रहा है तो कहा जाता है कि फांके पड़ रहे हैं, इसीलिए चना खा रहा है। कितना फ़र्क है ।ये अलग-अलग चश्मे ही तो हैं।

इसी तरह आजकल ई-रिक्शा में बैठना फैशन हो गया है। ई-रिक्शा में बैठकर इंदौर घूमना ये शौक है, लेकिन जिसके पास कोई और चारा ही न हो सफर करने का, तो उसके लिए तो वो मजबूरी है कि उसे ई-रिक्शा में सफर करना पड़ रहा है। पहले अच्छे-भले टेंपो थे, वो बंद हो गए। अभी ई-रिक्शा सस्ता पड़ जाता है तो बेचारे ई-रिक्शा से सफर करते हैं। और हां... ! आजकल एक नया शौक एलीट क्लास ने पाल लिया है

और वो है सुबह-सुबह साइकिल चलाने का।

सुबह जल्दी उठकर साइकिल चलाने से सेहतमंद होते हैं। सेहतमंद होते हैं तो साइकिल चलाना ज़रूरी है ।भले ही फिर कार में बैठकर दिनभर घूमे, लेकिन वो साइकिल जो किसी के लिए रोज़ी-रोटी है और किसी के लिए आने-जाने का इकलौता साधन ।वो तो बेचारा ग़रीब का ग़रीब ही रहा। उसे हिकारत से देखा जाता है- 'अच्छा, साइकिल से ऑफिस आते जाते हो... स्कूटर नहीं है?' स्कूटर है तो साहब, लेकिन एक इकलौता स्कूटर है और वो बेटे के पास है। यहां भी नजरिए का फ़र्क है।

एक और नज़रिया जो हम दैनंदनीय जीवन में देखते हैं। अगर कोई लड़का-लड़की साथ में हैं, जा रहे हैं, बैठे हैं- तो कुछ तो गड़बड़ है। भले ही बाद में पता चले कि वो भाई-बहन हैं। लेकिन लड़का-लड़की साथ में हैं तो नज़रिया गड़बड़ की ओर ही इशारा करता है।

ऐसा नहीं है कि सभी दूध के धुले हैं, लेकिन जो चश्मा उस वक्त लगा होता है, वो यही देखता है कि 'कुछ तो है।' जब कोई लेखक किसी विषय पर लिखता है तो पाठक अपना-अपना चश्मा पहन लेते है और अपने-अपने नज़रिए रखते हैं।

खुद किताबें खरीद रहे हैं तो कहते हैं 'उन्हें पढ़ने का शौक है।' दूसरा किताबें खरीद रहा है तो नज़रिया बदल जाता है- 'अच्छा, दिखावे के लिए किताबें खरीदी जा रही हैं।'

चश्मा यानी नज़रिया हर व्यक्ति के हिसाब से अलग-अलग विजन दिखाता है। यदि किसी ने माता-पिता और पुत्रों के ऊपर कुछ लिखा तो जिन चोरों की दाढ़ी में तिनका होता है, उनका नज़रिया अलग हो जाता है। उन्हें लगता है 'हमने मां-बाप को साथ में नहीं रखा, अच्छा, ये हमारे ऊपर लिखा है।' जबकि लेखक सामाजिक विषयों पर अपनी क़लम चला रहा है। यदि मैंने पति-पत्नी के अलगाव पर उपन्यास लिख दिया तो फिर वही... नज़रिया। मुझे अलग चश्मे से देखा गया—'कि पति-पत्नी के अलगाव पर उपन्यास है, मतलब दोनों के बीच कुछ तो चल रहा है।'

मुझे उन्हें समझा-समझाकर हार माननी पड़ी लेकिन उनके नजरिए यानि चश्मे में बदलाव नहीं ला सकी यदि पति-पत्नी के बिगड़ते रिश्तों पर उपन्यास लिखा, इसका ये मतलब नहीं कि मैं तलाक ले रही हूं। तो थक-हारकर सोचा कि अगला विषय 'प्रेम' ही रखा जाए, ताकि जो चश्मे मुझे देख रहे हैं, उनमें संदेह न आ जाए और न ही किसी को दृष्टि दोष हो।

जयंती पर विशेष

धर्मेन्द्र सिंह लोधी

लेखक राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), मध्यप्रदेश शासन संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग

भारत की जीवंत आत्मा के उपासक पं. दीनदयाल उपाध्याय

पंडित दीनदयाल उपाध्याय एक प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक थे और राष्ट्र की एकता और अखंडता के पक्षधर थे। उन्होंने राष्ट्र को केवल भूमि, जनसंख्या और शासन की इकाई नहीं माना। उनका मानना था कि 'राष्ट्र एक जीवंत आत्मा है' और भारत की आत्मा उसकी संस्कृति में निहित है।

भारत वर्ष की महान् और गौरवशाली संस्कृति को समय-समय पर अनेक महापुरूषों ने अपने चिंतन एवं दर्शन से समृद्ध किया है। ऐसे ही एक महान् और आदर्श व्यक्तित्व हैं, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन मानव सेवा, समाज सेवा और राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित कर दिया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय आधुनिक भारत के एक संत तुल्य व्यक्तित्व थे। उनका सामाजिक, आर्थिक, दार्शनिक, आध्यात्मिक और राजनैतिक चिंतन, राष्ट्रवाद और सामाजिक समानता पर आधारित था। 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना पर आधारित उनका 'एकात्म मानववाद' का दर्शन आधुनिक संदर्भ में आज भी मानव जाति के लिए पथ प्रदर्शक हैं।

पंडित जी का एकात्म मानववाद भारतीय जन-जीवन की आवश्यकताओं और चेतना के अनुरूप एक समग्र और संतुलित दृष्टिकोण प्रदान करता है। पंडित जी का मानना था कि पूंजीवाद और साम्यवाद जैसी पाश्चात्य विचारधाराएं भारतीय समाज के अनुरूप नहीं हैं। क्योंकि, इन विचारधाराओं में या तो व्यक्तिवाद को सर्वोपरि रखा गया है या फिर व्यक्ति को राज्य का उपकरण मान लिया गया है। जबकि, वास्तव में व्यक्ति, समाज, प्रकृति और ईश्वर के बीच एकात्मता और समन्वय होना चाहिए। पंडित जी का एकात्म मानववाद आध्यात्मिकता से ओत-प्रोत है और शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा के संतुलित विकास का मार्ग प्रशस्त करता है।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रचारक रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय एक कुशल राजनीतिज्ञ, दार्शनिक और चिंतक थे। राजा राम मोहन राय, स्वामी विवेककानंद और स्वामी दयानंद सरस्वती जैसे दार्शनिकों ने भारतीय पुनर्जागरण का जो पुनीत कार्य प्रारंभ किया था, उसका अंतिम पड़ाव कदाचित पंडित दीनदयाल ही थे। गांधी जी के सर्वोदय की दार्शनिक अवधारणा के अनुक्रम में पंडित दीनदयाल ने एक सर्वगामी मानव दर्शन प्रस्तुत किया जो मानव के मानव होने की सार्थकता को निरूपित करता है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय एक प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक थे और राष्ट्र की एकता और अखंडता के पक्षधर थे। उन्होंने राष्ट्र को केवल भूमि, जनसंख्या और शासन की इकाई नही माना। उनका मानना था कि 'राष्ट्र एक जीवंत आत्मा है' और भारत की आत्मा उसकी संस्कृति में निहित है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चिंतन का आधार भारतीय संस्कृति, व्यक्ति और समाज, राजनीति, अर्थनीति और मानववाद था। उनके सिद्धांतों का आधार संपूर्ण मानव का ज्ञान है। मानवता उनके दर्शन का आधारभूत पक्ष है। उनका चिंतन बिना किसी भेद-भाव के समग्र मानव समुदाय के लिये कल्याण की भावना के रूप में रहा है। उनका मानना था कि हम स्वार्थी न बनकर मानवता के कल्याण और विश्व की प्रगति में सहयोगी बने।

यदि हमारे पास कोई वस्तु है जिससे विश्व को लाभ होगा तो हमें वह देने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। हमें विश्व पर बोझ बनकर नहीं बल्कि उसकी समस्याओं के समाधान में सहयोगी होना चाहिए। वह कहते थे कि हमारी संस्कृति और परम्परा विश्व को क्या दे सकती है, हमें हमेशा इस पर विचार करना चाहिए। इस तरह पंडित दीनदयाल उपाध्याय ''वसुधैव कुटुम्बकम'' की भावना के पोषक थे।

पंडित जी का सामाजिक चिंतन समरसता पर आधारित था। वे समाज में वर्ग, जाति, भाषा ,लिंग या धर्म के आधार पर भेदभाव के कट्टर विरोधी थे। उन्होंने भारतीय समाज को केवल आर्थिक या भौतिक दृष्टि से नही देखा बल्कि उसे संस्कृति, नैतिकता और धर्म के आलोक में पारिभाषित किया। उनका मानना था कि भारतीय संस्कृति की आत्मा सनातन मूल्य और सेवाधर्म भारतीय समाज के सामाजिक चिंतन का मूल आधार हैं। उन्होंने कहा कि 'जिस समाज में सेवा की भावना नहीं है, वह समाज आत्महीन हो जाता है।' इसलिये उन्होंने 'सेवा ही धर्म है' को अपना जीवन मंत्र बनाया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय भारत की महान संस्कृति के अधिष्ठान पर ही राष्ट्रवाद को गढ़ना चाहते थे। वे विश्व ज्ञान और आज तक की परम्परा के आधार पर ऐसे भारतवर्ष का निर्माण करना चाहते थे, जो हमारे पूर्वजों से भी अधिक गौरवशाली हों। वे चाहते थे कि भारत वर्ष में जन्मा प्रत्येक व्यक्ति अपने व्यक्तित्व का विकास करता हुआ संपूर्ण मानवता ही नहीं अपितु सृष्टि के साथ एकात्मकता का साक्षात्कार कर 'नर से नारायण' बनने में समर्थ हो सके।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का दार्शनिक चिंतन एक ऐसा प्रकाश स्तंभ है, जो भारतीय समाज को अपनी जड़ों से जोड़ते हुए विकास की ओर अग्रसर करता है। उनका 'एकात्म मानववाद' न केवल वैचारिक दृष्टि से समृद्ध है, बल्कि व्यवहारिक जीवन में भी संतुलन और समरसता की भावना को प्रेरित करता है। यह भारतीयता की आत्मा को समझने और उसे सामाजिक संरचना में उतारने का एक सशक्त माध्यम है।

आज जब भारत यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर बनने और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा की ओर अग्रसर है, 'वोकल फॉर लोकल' की बात हो रही है, तब पंडित दीनदयाल उपाध्याय का दर्शन और अधिक प्रासंगिक हो जाता है।

एकात्म मानववाद केवल एक राजनीतिक विचार नहीं, बल्कि यह एक सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक मार्गदर्शन भी है।

वास्तव में पंडित जी का दर्शन मानव जीवन तथा संपूर्ण प्रकृति के एकात्म संबंधों का दर्शन है। भारत की दार्शनिक और आध्यात्मिक परम्परा में पंडित दीनदयाल उपाध्याय आधुनिक भारतीय पुनर्जागरण के अग्रदूत हैं। उनका एकात्म मानव दर्शन भारत की भावी पीढ़ियों के लिए एक पथ प्रदर्शक है जिसका अनुसरण कर भारतवर्ष में सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उत्कृष्टता एवं प्रगतिशीलता का प्रसंग स्थापित किये जाने का पुनीत कार्य संभव हो सकेगा।

मनोरंजन

योगेश कुमार गोयल

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

भारतीय सिनेमा का 'द कम्प्लीट एक्टर' मोहनलाल

नई दिल्ली का विज्ञान भवन 23 सितंबर को भारतीय सिनेमा के स्वर्णिम क्षण का गवाह बना। 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह के अवसर पर जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के करकमलों से मलयालम सिनेमा के महानायक मोहनलाल को भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान 'दादासाहेब फाल्के पुरस्कार' प्रदान किया गया तो पूरा हॉल तालियों और उत्साह से गूंज उठा। यह क्षण केवल एक अभिनेता की उपलब्धि नहीं बल्कि भारतीय सिनेमा की विविधता, उसकी कलात्मकता और उसके वैश्विक प्रभाव का प्रतीक भी था। दक्षिण भारतीय सिनेमा की परंपरा और गौरव को नए शिखर पर ले जाने वाले मोहनलाल ने अपने चार दशक लंबे अभिनय करियर में न केवल मलयालम बल्कि तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और हिंदी फिल्मों में भी अपनी अदाकारी का परचम लहराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोहनलाल को इस सम्मान पर बधाई देते हुए कहा कि उनका सफर न केवल एक अभिनेता की कहानी है बल्कि यह भारतीय सिनेमा की विविधता, जीवंतता और वैश्विक पहुंच का भी प्रतीक है। यह टिप्पणी इस तथ्य को रेखांकित करती है कि मोहनलाल केवल एक फिल्म स्टार नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय गर्व के दूत भी हैं।

मोहनलाल का सफर

चार दशक, 400 से अधिक फिल्में मोहनलाल विश्वनाथन, जो दक्षिण भारत में 'मोहनलाल' के नाम से विख्यात हैं, उनका जन्म 21 मई 1960 को केरल में हुआ था। 1978 में 'थिरनोट्टम' नामक फिल्म से उनके फिल्मी करियर की शुरुआत हुई लेकिन वास्तविक पहचान उन्हें 1980 के दशक के मध्य में मिली, जब वे मलयालम सिनेमा के नए चेहरे के रूप में स्थापित हुए। चार दशकों से अधिक के इस सफर में मोहनलाल ने 400 से अधिक फिल्मों में काम करते हुए दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी और मलयालम सिनेमा को नई पहचान दिलाई। मोहनलाल की अभिनय शैली को 'नेचुरल एक्टिंग' का पर्याय माना जाता है। चाहे साधारण मध्यवर्गीय युवक की भूमिका हो, ऐतिहासिक चरित्र हो या एक्शन हीरो का रूप, मोहनलाल हर किरदार में पूरी तरह ढ़ल जाते हैं। यही कारण है कि उन्हें भारतीय सिनेमा का 'द कम्प्लीट एक्टर' कहा जाता है। उनकी कुछ उल्लेखनीय फिल्मों में 'किरिडम' (1989), 'भारतं' (1991), 'वानप्रस्थम' (1999), 'दृश्यम' (2013, 2021), 'इरुप्पथम नूट्टांडी' और 'पुलिमुरुगन' (2016) शामिल हैं। इन फिल्मों ने ही उन्हें भारतीय सिनेमा का 'कम्प्लीट एक्टर' बनाने में बड़ी भूमिका निभाई। 'वानप्रस्थम' ने तो अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की और कांस फिल्म महोत्सव में भी प्रदर्शित हुई जबकि 'दृश्यम' को हिंदी तथा अन्य भाषाओं में रीमेक कर जबरदस्त सफलता मिली।

मोहनलाल का अभिनय सफर केवल लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहा बल्कि उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार और सम्मान भी मिले। वे पांच बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं, जिनमें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का खिताब भी शामिल है। उन्हें पद्म भूषण (2019) और पद्मश्री (2001) जैसे भारत सरकार के उच्च नागरिक सम्मान मिल चुके हैं। कई बार केरल राज्य फिल्म पुरस्कार और फिल्मफेयर पुरस्कार भी उन्हें प्राप्त हुए हैं। इन सभी उपलब्धियों के बावजूद दादासाहेब फाल्के पुरस्कार उनके जीवन का सर्वोच्च सम्मान है, जिसने उनके योगदान को भारतीय सिनेमा की विरासत में अमर कर दिया है।

दादासाहेब फाल्के पुरस्कार : इतिहास और महत्व

भारतीय सिनेमा की नींव रखने वाले धुंडीराज गोविंद फाल्के (दादासाहेब फाल्के) को 'भारतीय सिनेमा का जनक' कहा जाता है। 1913 में उन्होंने भारत की पहली पूर्ण लंबाई वाली फीचर फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' बनाई थी। उनकी स्मृति में ही 1969 से दादासाहेब फाल्के पुरस्कार की शुरुआत हुई थी, जो भारतीय सिनेमा का सर्वोच्च सम्मान है। यह पुरस्कार उन व्यक्तित्वों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने सिनेमा को नई ऊंचाईयों तक पहुंचाने में आजीवन योगदान दिया हो। पहली बार यह पुरस्कार देविका रानी को मिला था और तब से लेकर अब तक यह पुरस्कार पृथ्वीराज कपूर, सत्यजीत रे, दिलीप कुमार, लता मंगेशकर, अशोक कुमार, राजकपूर, अम्मानोरमलिनी, रजनीकांत और अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गजों को मिल चुका है। इस वर्ष दादासाहेब फाल्के पुरस्कार का 55वां संस्करण मोहनलाल को प्रदान किया गया है।

मोहनलाल का सम्मान यह दर्शाता है कि भारतीय सिनेमा केवल बॉलीवुड तक सीमित नहीं, दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग (मलयालम, तमिल, तेलुगू और कन्नड़) ने वैश्विक स्तर पर भारतीय फिल्मों की पहचान को मजबूत किया है। भारतीय सिनेमा पर अक्सर बॉलीवुड का दबदबा चर्चा में रहता है लेकिन वास्तविकता यह है कि दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग ने भारतीय सिनेमा को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मोहनलाल इस परंपरा के ऐसे स्तंभ हैं, जिन्होंने मलयालम सिनेमा को न केवल भारत के हर कोने तक पहुंचाया बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सम्मान दिलाया। उनकी फिल्मों में सामाजिक यथार्थ, पारिवारिक भावनाएं, आध्यात्मिकता और आधुनिकता का अद्भुत मिश्रण देखने को मिलता है। 'दृश्यम' इसका उदाहरण है, जिसे हिंदी सहित कई भाषाओं में रीमेक किया गया और जिसने भारतीय थ्रिलर फिल्मों की दिशा बदल दी।

मोहनलाल का योगदान केवल अभिनय तक सीमित नहीं है बल्कि उन्होंने भारतीय सिनेमा को विश्व मंच पर पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी कई फिल्मों का प्रदर्शन अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सवों में हुआ है। 'वानप्रस्थम' जैसी फिल्में यह साबित करती हैं कि भारतीय सिनेमा केवल मनोरंजन का साधन नहीं बल्कि गहरी मानवीय भावनाओं और दार्शनिक विचारों का संवाहक भी है। आज जब भारतीय सिनेमा ऑस्कर, कान्स और बर्लिन जैसे अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर लगातार अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है, तब मोहनलाल जैसे कलाकार इस यात्रा के प्रतिनिधि माने जाते हैं। समकालीन परिप्रेक्ष्य और आगे की राह आज भारतीय सिनेमा तकनीक, विषयवस्तु और प्रस्तुति के मामले में तेजी से बदल रहा है। डिजिटल युग, ओटीटी प्लेटफॉर्म और नई तकनीकों के दौर में मोहनलाल जैसे कलाकारों की यात्रा यह साबित करती है कि सिनेमा की आत्मा भावनात्मक सत्य और मानवीय संवेदनाओं में ही निहित है। मोहनलाल की उपलब्धि नई पीढ़ी के कलाकारों को प्रेरणा देती है कि अभिनय केवल पेशा नहीं बल्कि सांस्कृतिक जिम्मेदारी भी है, यह समाज, संस्कृति और मानवीय अनुभवों की अभिव्यक्ति का माध्यम है। दादासाहेब फाल्के पुरस्कार प्राप्त कर मोहनलाल ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारतीय सिनेमा की आत्मा उसकी विविधता और कलात्मकता में निहित है। कुल मिलाकर, मोहनलाल को मिला दादासाहेब फाल्के पुरस्कार भारतीय सिनेमा की उस यात्रा का उत्सव है, जो दादासाहेब फाल्के की पहली फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' से शुरू हुई और आज वैश्विक मंचों तक पहुंच चुकी है। यह सम्मान केवल मोहनलाल की प्रतिभा का नहीं बल्कि भारतीय सिनेमा की आत्मा और उसकी सांस्कृतिक अस्मिता का प्रतीक है।

पर्यटन संभावना

आर.बी. त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

जोखिमों और जिम्मेदार यात्रा के बारे में शिक्षा से बढ़ेगा पर्यटन

एक ऐसे वक्त जब सरहदी प्रदेश सिक्किम से लेकर जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात और काफी हद तक मध्यप्रदेश आदि राज्यों में भारी बारिश और प्राकृतिक आपदाओं से अनेक अनहोनी घटनाएं हुई। इनमें कई लोगों के मारे जाने, बाढ़ में बह जाने, घरों, दुकानों, होटल्स, रिजॉर्ट आदि के ढह जाने का लंबा और भयावह दौर चला तब पर्यटकों में स्वाभाविक ही सैर-सपाटे के प्रति रुचि-रुझान कम होता नजर आ रहा है। सो, पर्यटन क्षेत्र को इस संकट से उबरने में काफी समय लगने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। सैर-सपाटा और पर्यटन प्राय: हरेक व्यक्ति की चाह या शौक होता है लेकिन इसे पूरा करने का माददा, प्लानिंग और साहस कम ही लोगों में पाया जाता है।

पेशे से इंजीनियर इंदौर के पवन मिश्रा उन बिरले लोगों में से एक हैं जिन्हें सैर-सपाटा, पर्यटन वह भी ज्यादातर सड़क मार्ग से खुद लांग ड्राइव करते हुए जुनून की तरह पसंद है। इस शौक, हॉबी को पूरा करने के लिये वे जब भी समय मिलता है अगली यात्रा को निर्भीक होकर निकल पड़ते हैं। यह उनका और उनकी इंजीनियर पत्नी दीपिका के लिये पैशन की तरह है। दीपिका इन यात्राओं में उनकी सहभागी होकर सहयात्री की भूमिका बखूबी निभाती है। इस साल के 'विश्व पर्यटन दिवस' पर हम आपको ऐसे ही बिरले पर्यटन प्रेमी और यायावर दम्पत्ति से मिलवा रहे हैं, उनसे कुछ प्रश्नों के जरिये पता करते हैं कि यह हॉबी, शौक उनके जुनून के रूप में कैसे तब्दील हुआ।

सैर- सपाटा, पर्यटन आपकी हॉबी कैसे और कब बना ?

मुझे शुरू से ही फिल्में देखने का बहुत शौक था। जब भी किसी फिल्म में कोई खूबसूरत या अनोखी जगह मुझे आकर्षित करती थी, मैं तुरंत उसे नक्शे में ढूंढता था। गर्मियों की छुट्टियों में जब मैं बस से अपने ननिहाल जाता था, तो रास्ते में आने वाले हर गाँव और शहर का नाम अपनी डायरी में नोट करता और फिर घर जाकर नक्शे में उन्हें खोजता। भूगोल मेरा पसंदीदा विषय था, इसलिए मुझे नक्शे और ग्लोब में गहरी रुचि थी। पाँचवीं कक्षा में मुझे दुनिया के हर देश की राजधानी जुबानी याद थी और मैं किसी भी द्वीप या देश को नक्शे में दो सेकंड में पहचान सकता था। यहीं से मेरे अंदर एक जुनून पैदा हुआ - कि मुझे इस ग्लोब की हर जगह को अपनी आँखों से देखना है।

यह ख्याल कैसे आया कि अपनी ही गाड़ी से लांग ड्राइव कर भारत भ्रमण किया जाये?

जब हम लोग अमेरिका में थे, तो वहाँ ज़्यादातर लोग कार से ही यात्रा करते थे - जो कि आसान भी था और लागत के लिहाज़ से किफायती भी। फिर जब हम भारत लौटे और देखा कि यहाँ की सड़कें अब पहले से कहीं बेहतर हो गई हैं, तो हमने भी कुछ दूरी के लिए कार से जाना शुरू किया। कोरोना महामारी के बाद तो ट्रेन और फ्लाइट से यात्रा करने में एक डर भी बना हुआ था, और कार से यात्रा करने में एक अलग ही आनंद आने लगा था। धीरे-धीरे हमने कार से यात्रा करना और भी ज़्यादा शुरू कर दिया - अब छोटी हो या लंबी दूरी, हम ज़्यादातर सफ़र कार से ही करने लगे। इससे न सिर्फ़ हमें सुविधा मिली, बल्कि रास्ते में मिलने वाले अनुभवों ने यात्रा को और भी यादगार बना दिया।

इन यात्राओं के अच्छे अनुभव जो आपने देखे महसूस किये?

हमें हमेशा अच्छे लोग मिले, जो मदद करने के लिए तत्पर रहते थे। वैसे तो ऐसे कई किस्से हैं, लेकिन मैं दो घटनाएं साझा करना चाहूंगी ।पहली घटना उस समय की है जब हम सूरत से इंदौर आ रहे थे। रात का समय था और हमारी कार का टायर एक सुनसान इलाके में पंचर हो गया। उस समय एक राहगीर ने नि:स्वार्थ भाव से हमारी मदद की। जब हमने उसे उसके बच्चों के लिए कुछ रुपये देने चाहे, तो उसने विनम्रता से लेने से इनकार कर दिया। दूसरी घटना हाल ही की है, जब हम करतारपुर साहिब से लौट रहे थे। रास्ते में हमारी कार का पेट्रोल खत्म हो गया। उस समय एक ढाबे वाली महिला ने तुरंत हमारी मदद की - उसने पेट्रोल के लिए एक कंटेनर साफ करके हमें दिया, ताकि हम अपनी यात्रा जारी रख सकें। इन अनुभवों ने यह यकीन दिलाया कि इंसानियत आज भी ज़िंदा है और सफर में मिलने वाले लोग ही उसे खास बना देते हैं।

कुछ बुरे अनुभव जैसे विपरीत मौसम से सामना, सड़क मार्ग से यात्रा की अड़चनें, पूछताछ, चेकिंग, टोल बूथ पर आने वाली परेशानी, हास्पिटैलिटी या संपर्क में आने वाले लोगों का व्यवहार इत्यादि।

वैसे तो हमारे अनुभव अधिकतर अच्छे ही रहे हैं, लेकिन एक घटना आज भी याद आती है जो गुजरात में हुई थी। होली का दिन था और हम कच्छ से द्वारका की ओर जा रहे थे। रास्ते में कुछ उपद्रवियों ने हमारी कार पर गोबर फेंका, जिसमें पत्थर भी मिले हुए थे। इससे हमारी कार की विंडशील्ड को काफी नुकसान पहुँचा। उस समय स्थिति थोड़ी डरावनी थी, लेकिन आगे जाकर एक ढाबे पर कुछ लोगों ने हमारी काफी मदद की। उन्होंने न सिर्फ़ हमारी कार को साफ़ करने में सहायता की, बल्कि हमें मानसिक रूप से भी सहज महसूस कराया। इस घटना ने यह सिखाया कि भले ही रास्ते में कुछ बुरे अनुभव हों, लेकिन अच्छे लोग हर जगह होते हैं जो मुश्किल समय में सहारा बन जाते हैं।

भारत में पर्यटन क्षेत्र में पहलगाम की बैसरन घाटी में पर्यटकों की निर्मम हत्या, फिर ऑपरेशन सिंदूर और अहमदाबाद में बोइंग ड्रीमलाइनर की दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटनाओं के परिप्रेक्ष्य में पर्यटन सेक्टर पर क्या प्रभाव दिखाई दे रहा है?

इन घटनाओं से पर्यटन पर अस्थायी असर पड़ा है, विशेष रूप से संवेदनशील और सीमावर्ती क्षेत्रों में। बुकिंग्स में गिरावट, स्थानीय व्यवसायों का नुकसान, और पर्यटकों का विश्वास डगमगाना - ये सभी संकेत हैं कि पर्यटन को पुनर्जीवित करने के लिए सुरक्षा, पारदर्शिता और प्रचार की आवश्यकता है। हालांकि भारत का पर्यटन क्षेत्र लचीला है और पहले भी संकटों से उबर चुका है, लेकिन इस बार स्थायी सुधार और संरचनात्मक बदलाव की आवश्यकता है।

पर्यटन प्रधान थाईलैंड, तुर्की, नेपाल जैसे देशों में राजनीतिक स्थितियों तथा हाल ही के थाईलैंड कंबोडिया युद्ध तथा रूस-यूक्रेन युद्ध, गाजा से आ रही अमानवीय घटनाक्रम को देखते हुए पर्यटन सेक्टर पर प्रभाव?

युद्ध और राजनीतिक अस्थिरता सीधे तौर पर पर्यटन को प्रभावित करते हैं, पर्यटन पर निर्भर अर्थव्यवस्थाएं जैसे नेपाल, थाईलैंड, मिस्र आदि को विशेष रूप से नुकसान होता है। स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय निवेश तथा पर्यटक विश्वास को बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। जैसे कि रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से तेल की कीमतें बढ़ गई हैं और इसके चलते हवाई यात्रा भी महंगी हो गई है।

बर्फबारी, मानसून, और गर्मी के मौसम में बदलाव से पर्यटन सीजन प्रभावित हो रहा है। भूस्खलन और बाढ़ : पर्वतीय क्षेत्रों में निर्माण कार्यों और वनों की कटाई से आपदाओं की तीव्रता बढ़ी है।

सड़कें, पुल और ट्रेकिंग मार्ग बार-बार बंद हो रहे हैं, जिससे पर्यटकों की सुरक्षा खतरे में पड़ रही है। पर्यावरण-अनुकूल होटल, ऊर्जा बचत और स्थानीय संसाधनों का उपयोग विशेष रूप से पहाड़ी क्षेत्रों में, पर्यटकों की संख्या सीमित की जानी चाहिए।

यदि जलवायु परिवर्तन और आपदाओं को नजरअंदाज किया गया, तो यह उद्योग गंभीर संकट में पड़ सकता है। लेकिन यदि स्थायी विकास, सुरक्षा और स्थानीय भागीदारी को प्राथमिकता दी जाए, तो यह न केवल सुरक्षित रहेगा बल्कि और भी समृद्ध हो सकता है।

कुछ अन्य अनुभव, विचार?

भारत सरकार से मेरी एक विनम्र अपील है कि देशभर में स्वच्छ शौचालयों का निर्माण कराया जाए और उनका नियमित रूप से रख-रखाव भी सुनिश्चित किया जाए।

हमारे देश में अनेक सुंदर और दर्शनीय स्थल हैं, लेकिन कई जगहों पर देखा जा सकता है कि उनका रख-रखाव ठीक ढंग से नहीं हो रहा है। वहीं अगर हम यूरोप या अमेरिका जैसे देशों की बात करें, तो वहाँ हर स्थान पर सफाई होती है और पर्यटक स्थलों को बहुत अच्छे से संजोकर रखा जाता है। अगर भारत में भी इसी तरह की व्यवस्था हो जाए, तो पर्यटन अनुभव और भी बेहतर हो सकता है।

लापरवाही पर बीईओ भीमपुर के विरुद्ध कार्यवाही, भीमपुर से हटाने और निलंबन की कार्यवाही के निर्देश

ई अटेंडेंस नहीं लगाने वाले शिक्षकों का रुकेगा वेतन, कलेक्टर ने की समीक्षा

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने मंगलवार को शिक्षा विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कक्षा 1 से 12वीं के नामांकन की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे नवीन स्कूलों जिनकी डाइस कोड जेनरेट नहीं हुआ, उनका प्राथमिकता से कोड जेनरेट करवाएं। उन्होंने जनपदवार नामांकन की समीक्षा कर कम प्रगति पर प्रभातपट्टन बीआरसी को नोटिस देने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला परियोजना समन्वयक को भी नामांकन में गति लाने के सख्त निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने निशुल्क पाठ्य पुस्तक, निशुल्क साइकिल वितरण, निःशुल्क गणवेश वितरण की जनपदवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं में जिन जनपदों का वितरण कम हैं, उन्हें नोटिस जारी किया जाए और पाठ्य पुस्तक तथा साइकिल का शत प्रतिशत वितरण किया जाएं। खाता फैल होने के कारण जिन बच्चों को गणवेश वितरण की राशि नहीं मिली हैं, उन बच्चों के खाता सुधार कर राशि अंतरण का कार्य प्राथमिकता से किया जाएं। उन्होंने समेकित छात्रवृत्ति योजना और प्रोफाइल अपडेशन के कार्य भी समीक्षा कर निर्देश दिए कि बच्चों के प्रोफाइल अपडेशन के कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने इन सभी योजनाओं में खराब परफॉर्मेंस पर भीमपुर के विकासखंड शिक्षा अधिकारी को हटाने और उनके निलंबन का प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कम प्रगति वाले विकासखंड शिक्षा अधिकारी और बीआरसी को चेतावनी नोटिस जारी करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी सप्ताह तक प्रगति नहीं आने पर सम्बन्धित की वेतन वृद्धि संचयी प्रभाव से रोका जाएगा। उन्होंने ई अटेंडेंस की समीक्षा कर ऑनलाइन अटेंडेंस नहीं लगाने वाले शिक्षकों के वेतन आहरण पर रोक लगाने तथा शिक्षकों के द्वारा जितने दिन ई अटेंडेंस नहीं लगाई गई है उतने दिन का वेतन काटा जाएगा।

कैट की जिला इकाई की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आज

बैतूल। कैट बैतूल की नव नियुक्त जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आज 25 सितंबर को रिलायंस ट्रेंड्स, ग्राउंड फ्लोर, सिविल लाईन बैतूल में दोपहर 01 बजे सम्पन्न होगा। उक्त शपथ ग्रहण समारोह के मुख्य अतिथि दुर्गादास उइके भारत सरकार के जनजातीय मामलों के राज्यमंत्री, नई दिल्ली एवं सांसद बैतूल होगे। कार्यक्रम के बारे में प्रचार सचिव हेमंत पगारिया ने बताया कि अध्यक्षता बीसी भरतिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष कैट, विशिष्ठ अतिथि रमेश रमेशचंद गुप्ता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैट, राजकुमार खंडेलवाल वरिष्ठ उपाध्यक्ष कैट, मध्यप्रदेश एवं राजीव खंडेलवाल प्रदेश महामंत्री कैट, मध्यप्रदेश शामिल होगें।

महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा हेतु जागरूकता अभियान 'मैं हूं अभिमन्यु' के अंतर्गत वाहन रैली निकाल कर आमजन को किया जागरूक

'मैं हूं अभिमन्यु' केवल महिला सुरक्षा अभियान नहीं है, बल्कि यह समाज में नई सोच, दिशा और ऊर्जा का संचार करने का प्रयास है : एसपी मयंक अवस्थी

धार। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम और उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता अभियान 'मैं हूं अभिमन्यु' 23 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक धार जिलेभर में संचालित किया जा रहा है। धार एसपी मयंक अवस्थी के निर्देशन में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा हेतु 'विशेष जागरूकता अभियान मैं हूं अभिमन्यु' के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक कार्यालय धार से बुधवार को वाहन रैली निकाल कर आमजन को जागरूक किया। एसपी मयंक अवस्थी के नेतृत्व में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारुल बेलपुरकर की उपस्थिति में महिला सशक्तिकरण के पावन उद्देश्य को लेकर एक भव्य वाहन रैली का आयोजन किया गया। रैली से पहले महिला अधिकारियों और कर्मचारियों को लिंग भेद, भ्रूण हत्या, अशिक्षा, नशा, अश्लीलता, दहेज प्रथा, पाक्सो एक्ट जैसे ज्वलंत मुद्दों पर जानकारी दी गई। इस अवसर पर एसपी द्वारा सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को महिला सुरक्षा, समानता, नारी सम्मान और शिक्षा के प्रति जागरूक रहने की शपथ दिलाई गई। सभी ने यह संकल्प लिया कि वे स्वयं सुरक्षित और जागरूक रहेंगे और समाज में यह संदेश फैलाएंगे।

अभियान का उद्देश्य -यह अभियान केवल महिला सुरक्षा पर केंद्रित नहीं है, बल्कि यह समाज में सकारात्मक बदलाव की ओर एक कदम है। इसका मुख्य उद्देश्य यह संदेश देना है कि सुरक्षित और विकसित समाज का निर्माण तभी संभव है जब महिला और पुरुष दोनों की समान भागीदारी सुनिश्चित हो। खासकर, समाज के पुरुषों और लड़कों को महिला सुरक्षा और संवेदनशीलता के बारे में जागरूक करने की आवश्यकता है, ताकि वे एक जिम्मेदार, पूर्वाग्रह-मुक्त और समान विचारधारा से भरे हुए समाज का निर्माण कर सकें।

एसपी मयंक अवस्थी ने कहा, 'अभियान 'मैं हूं अभिमन्यु' केवल महिला सुरक्षा का अभियान नहीं है, बल्कि यह समाज में नई सोच, दिशा और ऊर्जा का संचार करने का प्रयास है। जब पुरुष और महिला दोनों समान रूप से जिम्मेदारी निभाएंगे, तभी एक सुरक्षित और विकसित समाज की नींव रखी जा सकेगी।' इस अवसर पर अजाक डीएसपी आनंद तिवारी, रक्षित निरीक्षक पुरषोत्तम विश्नोई और जिले की समस्त महिला पुलिस अधिकारी और कर्मचारीगण ने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया।

धार पुलिस की अपील -धार पुलिस आमजन से अपील करती है कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और महिला सम्मान एवं सुरक्षा के संदेश को समाज के हर कोने तक पहुँचाने में सहयोग करें।

आरोपी गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त हथियार हसियां बरामद

350 रूपये के लेनदेन में हसियां मारकर कर दी हत्या

बैतूल। खेत पर घास काटने गए व्यक्ति की हत्या कर फरार हुए आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने बताया कि उसने मृतक को 350 रूपये उधार दिये थे। रूपये मांगने पर मृतक द्वारा इंकार व गाली-गलौज करने पर दोनों में विवाद हो गया। झूमाझटकी के दौरान आरोपी ने मौके पर रखे हसिए से मृतक के सिर पर वार किया तथा पैरों से छाती पर प्रहार किया, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार 17 सितंबर को फरियादी हेमराज आलोने निवासी सूरगांव ने थाना बैतूल बाजार में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके पिता देवराव आलोने सुबह करीब 6.30 बजे खेत में घास काटने गए थे। उसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने धारदार हथियार से प्राणघातक हमला कर उनकी हत्या कर दी। सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक अंजना धुर्वे मय पुलिस स्टाफ के घटनास्थल पर पहुंचे। मृतक के शरीर पर गंभीर चोटें मिलने से प्रथम दृष्टया हत्या का प्रतीत होने पर घटनास्थल का सुरक्षित कर वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया। विवेचना के दौरान थाना प्रभारी बैतूल बाजार द्वारा हत्या के प्रकरण का मामला पंजीबद्ध कर धारा 103(1) बीएनएस में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया।

एसपी ने स्वयं किया था घटना स्थल का मुआयना -पुलिस अधीक्षक बैतूल वीरेंद्र जैन के कुशल नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी, एसडीओपी बैतूल सुनील लाटा एवं प्रभारी सीन ऑफ क्राइम निरीक्षक आबिद अंसारी, थाना प्रभारी बैतूल बाजार निरीक्षक अंजना धुर्वे के साथ डॉग स्क्वाड द्वारा घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण कर साक्ष्य संकलन किया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते पुलिस अधीक्षक बैतूल वीरेंद्र जैन द्वारा स्वयं घटनास्थल पहुंचकर घटना के संबंध में परिजनों से पूछताछ की गई एवं आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु थाना प्रभारी बैतूल बाजार को निर्देशित किया गया।

आरोपी ने बताया रूपये के लेनदेन को लेकर हत्या - गहन विवेचना एवं लगातार पूछताछ के दौरान संदेही कचरू उर्फ कचरया पिता मधू बेनाइत निवासी सुरगांव से सख्ती से पूछताछ की गई। आरोपी ने बताया कि मृतक देवराव से उसने 350 रुपए उधार दिए थे, रुपये मांगने पर मृतक द्वारा इंकार करने व गाली-गलौज करने पर दोनों में विवाद हो गया। झूमाझटकी के दौरान आरोपी ने मौके पर रखे हसिए से मृतक के सिर पर वार किया तथा पैरों से छाती पर प्रहार किया, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद आरोपी ने प्रयुक्त हथियार हसिया एवं अपने कपड़े नदी किनारे कुएं के पास फेंक दिए थे। आरोपी के मेमोरेण्डम के आधार पर घटना में प्रयुक्त हसिया व कपड़े बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया।

इनकी रही अहम भूमिका - इस महत्वपूर्ण कार्यवाही में डीएसपी दुर्गेश आर्मो, डीएसपी मयंक तिवारी, डीएसपी शैफा हाशमी, थाना प्रभारी बैतूल बाजार निरीक्षक अंजना धुर्वे, निरीक्षक आबिद अंसारी सीन ऑफ क्राइम एक्सपर्ट, उपनिरीक्षक नरेंद्र ठाकुर, विनोद मालवीय, आम्रपाली डाहट, रवि शाक्य, सउनि अवधेश वर्मा, प्रआर अजय बरबड़े प्रधान आरक्षक प्रकाश, प्रआर सुभाष माकोडे, प्रहलाद, प्रआर कमलेश दावंडे, कमल चौरे, मनोज, अरुण, कमलनाथ पवार, मुकेश, लीलाधर, साइबर सेल बलराम, डॉग स्क्वाड विवेक गाडगे, आर चालक सतीश महिला आरक्षक स्नेहल परते एवं संजू की सराहनीय भूमिका रही है।

अकाउंटेंट का शव फंदे पर लटका मिला

बैतूल। बुधवार को एक अकाउंटेंट का शव उनके ही घर में फंदे पर लटका मिला। उसके हाथ की नस कटी हुई थी। कमरे से खून से भरा डिब्बा भी बरामद हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना चक्कर रोड के मोती वार्ड की है। जानकारी के अनुसार, प्रदीप उर्फ पप्पू बारंगे (58) का शव घर की पहली मंजिल पर सीढ़ी के पास फांसी पर लटका मिला। सूत्रों के मुताबिक, प्रदीप बारंगे कुछ समय से पारिवारिक विवादों से परेशान था। आशंका है कि बीती रात प्रदीप ने पहले हाथ की नस काटी, जिससे खून बहा तो डिब्बा भर दिया। पुलिस को बिस्तर पर सर्जिकल ब्लेड का रैपर भी मिला है। हालांकि, परिजन सवाल उठा रहे हैं कि जब नस काटी गई तो सीढ़ी पर फांसी लगाने तक खून के धब्बे क्यों नहीं पाए गए। पुलिस ने शव को नीचे उतारकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बैतूल में झोपड़ी से मिला महिला का शव

बैतूल। महावीर वार्ड स्थित एक झोपड़ी से एक महिला का सड़ा-गला शव मिला। महिला का एक हाथ कटा मिला, जिससे उसकी मौत को लेकर कई तरह के संदेह गहराते जा रहे हैं। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि शव कुछ दिन पुराना हो सकता है। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और झोपड़ी को सील कर, बारीकी से जांच शुरू कर दी गई। महिला की पहचान सुनीता भारती (45 वर्ष) के रूप में हुई है, जो अपने पति के साथ पिछले करीब तीन वर्षों से इसी झोपड़ी में रह रही थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि, झोपड़ी से तेज दुर्गंध आने पर संदेह हुआ, इसके बाद जब अंदर झांका, तो महिला का शव पड़ा मिला। इसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस का कहना है कि शव की स्थिति और दुर्गंध को देखते हुए यह स्पष्ट है कि मौत कुछ दिन पहले हुई है। घटना के समय महिला का पति मौके पर मौजूद नहीं था। पुलिस अब उसकी तलाश कर रही है, क्योंकि वह प्रमुख संदिग्ध के रूप में सामने आ रहा है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और महिला की पृष्ठभूमि की भी जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, मौत की असल वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक विश्लेषण के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल हत्या और आत्महत्या दोनों एंगल से जांच जारी है।

अग्रसेन जयंती महोत्सव धार में आप और हम समिति द्वारा बेस्ट फीमेल ड्रेस का अवॉर्ड शिल्पा नवीन गर्ग को दिया गया

धार। अग्रसेन जयंती महोत्सव धार में आप और हम समिति द्वारा बेस्ट मेल ड्रेस,फीमेल ड्रेस एवं बेस्ट कपल का अवॉर्ड दिया जाता है। बेस्ट मेल ड्रेस का अवॉर्ड पार्थ मुकेश गर्ग बेस्ट फीमेल ड्रेस का अवॉर्ड शिल्पा नवीन गर्ग को दिया गया। नीलू विनय अग्रवाल एवं बेस्ट कपल ड्रेस का अवॉर्ड सुमित एवं दीपा अग्रवाल को दिया गया।

वैश्य महासम्मेलन नर्मदापुरम संभाग की कोर समिति की बैठक सम्पन्न

बैतूल। नर्मदापुरम संभाग के तीनों जिलों की विशेष कोर समिति की बैठक प्रदेश महामंत्री राजीव खंडेलवाल के निज निवास पर आयोजित की गई। बैठक में उमाशंकर ने कहा नर्मदापुरम संभाग के तीनों जिले से आये संभागीय के पदाधिकारियों, जिलाध्यक्षों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सब के सहयोग व सक्रियता से वैश्य महासम्मेलन मध्य प्रदेश का विस्तार होकर विराट स्वरूप ले चुका है। अब पंचायत स्तर पर वैश्य महासम्मेलन को ले जाने के लिए जो कदम पहले उठाये गये थे उसे और गति प्रदान करना है। श्री गुप्ता द्वारा इस बात पर विशेष जोर दिया कि तहसील स्तर पर वैश्य महासम्मेलन को मजबूत करने की महती आवश्यकता है। क्योंकि तहसील मजबूत होगी तभी हम प्रभावी रूप से वैश्यों को सहायता कर पायेगें। इसके लिए नर्मदापुरम संभाग की कुल 22 तहसील में उन्होंने संभाग के पदाधिकारियों को एक-एक तहसील का दायित्व सौंपकर उनसे उम्मीद की है कि वहां जाकर महीने में कम से कम एक दिन का दौरा अवश्य करे। महामंत्री राजीव खंडेलवाल ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया प्रदेश से जो भी निर्देश आते है उनका पालन किया जाकर उसकी रिपोर्टिंग प्रदेश को की जानी चाहिए। परस्पर पदाधिकारियों का संवाद बातचीत के माध्यम से बना रहना चाहिए। प्रारंभ में उमाशंकर कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात प्रदेश महामंत्री राजीव खंडेलवाल, जिलाध्यक्ष अखिलेश गोठी, महिला जिलाध्यक्ष अमिता गुप्ता एवं जिला इकाई के पदाधिकारियों ने माला से उनका स्वागत किया गया एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। जिला इकाई द्वारा समस्त अतिथियों का भी मालाओं से स्वागत किया। वैश्य महासम्मेलन के महामंत्री राजीव खंडेलवाल को मध्य प्रदेश कैट (कंफ्रेंडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स मध्य प्रदेश) का महामंत्री बनाये जाने पर जिला इकाई बैतूल के अनुरोध पर उमाशंकर गुप्ता ने उनका सम्मान किया गया। इस संभागीय विशेष सीमित कोर समिति की बैठक में राजीव खंडेलवाल, प्रदेश महामंत्री, कमल गर्ग प्रदेश कोषाध्यक्ष, अजीत सेठी संभागीय अध्यक्ष, केशव बंसल संभागीय महामंत्री, आशीष अग्रवाल, जिला प्रभारी, योगी खंडेलवाल युवा प्रदेश इकाई महामंत्री, महिला इकाई जिला अध्यक्ष श्रीमति अमिता गुप्ता, जिला महिला प्रभारी प्रेमलता खंडेलवाल, प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

स्वरोजगार मूलक योजनाओं के प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करें : कलेक्टर

कलेक्टर ने की स्वरोजगार मूलक योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

बैतूल। बैतूल कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बुधवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय सभाकक्ष में विभिन्न विभागों में स्वरोजगार मूलक योजनाओं की प्रगति की बैंकवार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने प्रमुख रूप से प्रधानमंत्री सूक्ष्म

खाद्य उन्नयन योजना, पीएम स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, संत रविदास स्वरोजगार योजना, डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना, सावित्रीबाई फुले स्व सहायता समूह योजना, भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना, टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के साथ स्व सहायता समूह के बैंक लीकेज की प्रगति की भी बैंक वार जानकारी ली। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने निर्देश दिए की स्वरोजगार मूलक योजनाओं में शत प्रतिशत प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित कर हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाए। उन्होंने कहा कि मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए सभी बैंक हितग्राहियों के ऋण संबंधी प्रकरणों का निराकरण करें। उन्होंने स्व सहायता समूह की महिलाओं के बैंक के प्रकरणों में भी उपलब्धि लाने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने पशुपालन एवं मत्स्य पालन अंतर्गत किसान क्रेडिट कार्ड के बैंकों को प्रेषित प्रकरण की भी समीक्षा की। उन्होंने उपसंचालक पशुपालन और मत्स्य विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देशित किया कि किसान क्रेडिट कार्ड के प्रकरणों में लापरवाही ना बरते। बैंकों में लंबित पड़े प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण कराएं। बैठक में एलडीएम आशुतोष सिंह सहित सभी बैंक शाखाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्वस्थ समाज के निर्माण में आयुर्वेद की भूमिका अहम : केंद्रीय राज्य मंत्री

शासकीय आयुर्वेद जिला चिकित्सालय बैतूल में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

बैतूल। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार आयुर्वेद जन-जन के लिए पृथ्वी के कल्याण के लिए, आयुर्वेद फॉर पीपल एंड प्लैनेट की थीम पर मंगलवार को शासकीय आयुर्वेद जिला चिकित्सालय बैतूल में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गा दास उइके, जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाई बारस्कर, नगर पालिका उपाध्यक्ष महेश राठौर, मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा, कोठी बाजार मंडल अध्यक्ष विक्रम वैद्य, पार्षद तरुण ठाकरे, पार्षद महावीर वार्ड श्रीमती वर्षा बारस्कर, भावेश चढोकार, कैलाश धोटे उपस्थित रहे। सर्वप्रथम अतिथियों ने मां सरस्वती एवं भगवान धन्वंतरि का पूजन कर शिविर का शुभारंभ किया। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री उइके ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आयुर्वेदिक पद्धति भारतीय परंपरा की धरोहर है, जो आज भी स्वस्थ जीवन के लिए कारगर सिद्ध हो रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से आमजन को निःशुल्क परामर्श एवं औषधियां उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे समाज के हर वर्ग को लाभ मिल रहा है। उन्होंने ने उपस्थित चिकित्सकों की सराहना करते हुए कहा कि आयुर्वेद केवल उपचार की विधा नहीं, बल्कि जीवन जीने की समग्र शैली है। उन्होंने लोगों से नियमित दिनचर्या, संतुलित आहार, योग और प्राणायाम को अपनाने का आह्वान किया। जिला आयुष अधिकारी डॉ. योगेश चौकीकर एवं आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ नरेंद्र डढोरे ने बताया कि शिविर में डाबर फार्मेसी से प्रतिनिधि गजानन देशमुख द्वारा विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। शिविर में मधुमेह, बीपी, वजन इत्यादि की जांच की गई। ज्वार, श्वास, काश, आमवात, संधिवात, मधुमेह, प्रतिश्याय, शिरः शूल, उदररोग इत्यादि रोगों के लिए निःशुल्क औषधी का वितरण किया गया। शिविर के दौरान जन सामान्य को आयुष पद्धति अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। योग शिक्षक एवं योग सहायक द्वारा व्याधियों के अनुसार योगाभ्यास बतलाया गया।

आयुष संस्थाओं में मनाया दसवां आयुर्वेद दिवस - इसके साथ ही जिले की समस्त आयुष संस्थाओं में दसवां आयुर्वेद दिवस उत्साह पूर्वक मनाया गया। सभी संस्थाओं में शिविर का आयोजन किया गया। समस्त आयुष संस्थाओं द्वारा अपने-अपने क्षेत्र के प्राथमिक शाला, माध्यमिक शाला, उच्चतर शाला में अनेक प्रकार की प्रतियोगिताओं जैसे विषय आयुर्वेद पर निबंध प्रतियोगिता, स्लोगन, चित्रकला, रंगोली, विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन जैसे कबड्डी, खो-खो करवाया गया। कार्यक्रम के पश्चात प्रतिभागियों को आयुष विभाग द्वारा प्रमाण पत्र भी बांटे गए। वहीं चिकित्सकों द्वारा आयुर्वेद पर व्याख्यान दिया गया। जनसाधारण को दिनचर्या, ऋतुचर्या, रात्रिचर्या के बारे में समझाया गया एवं अपने जीवन में आयुर्वेद को अपनाने के लिए मार्गदर्शन दिया गया।

गौशालाओं का सुव्यवस्थित संचालन किया जाए : कलेक्टर

पशुपालकों से जुड़ी योजनाओं का मैदानी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन कराएं

बैतूल। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में पशुपालन, श्रम, जीएसटी इत्यादि विभागों की समीक्षा की। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन सहित संबंधित विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहें। उन्होंने पशुपालन विभाग अंतर्गत संचालित चलित पशु चिकित्सा इकाई, राष्ट्रीय पशुधन मिशन, डॉ भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना और मुख्यमंत्री डेयरी प्लान योजना के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने उप संचालक पशुपालन को निर्देशित किया कि पशु चिकित्सा इकाई के हेल्पलाइन नंबर 1962 का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाएं। इस प्रकार डॉ भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना का भी प्रचार प्रसार कर

ज्यादा से ज्यादा हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले में संचालित समस्त शासकीय गौशालाओं का सुव्यवस्थित ढंग से संचालन हो। इसी प्रकार निजी गौशालाओं का भी सतत निरीक्षण किया जाएं। उन्होंने पशुपालकों के केसीसी के प्रकरणों के शेष लक्ष्य को भी शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने 2 अक्टूबर से प्रारंभ होने वाले दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान की तैयारियों की समीक्षा कर निर्देश दिए कि अभियान के तहत व्यक्तिगत भेंट के लिए अधिकारियों और पशु चिकित्सकों की ड्यूटी लगाएं। उन्होंने पशुपालकों को पशुपोषण, स्वास्थ्य एवं नस्ल सुधार के लिए मार्गदर्शन के साथ उन्हें इस संबंध अपनाए जाने वाली प्रक्रिया की जानकारी का फोल्डर भी दिए जाएं।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बैठक में सीएम हेल्पलाइन में शिकायतों के निराकरण में लगातार खराब परफॉर्मेंस और बैठक में अनुपस्थित रहने पर जीएसटी ऑफिसर के विरुद्ध निलंबन की कार्यवाही प्रस्तावित करने के निर्देश दिए। श्रम विभाग की समीक्षा कर कलेक्टर ने ई केवाईसी के शेष लक्ष्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने शाहपुर और मुलताई के लेबर इंस्पेक्टर सख्त निर्देशित किया कि ई केवाईसी के शेष लक्ष्य को जल्द से जल्द पूर्ण कराएं। उन्होंने संबल योजना के लंबित आवेदन तथा योजना में एसडीएम स्तर पर अनुग्रह सहायता और पंजीयन के लंबित आवेदनों की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों के निराकरण में कोताही न बरते। उन्होंने शाहपुर और मूलताई में संबल योजना के आवेदनों के निराकरण में संतोषजनका प्रगति नहीं होने पर लेबर इंस्पेक्टर के वेतन आहरण पर रोक लगाने के निर्देश दिए।

चलित पशु चिकित्सा वाहन से घर पहुँचकर पशुओं का नि :शुल्क उपचार

पिछले 5 माह में 8745 पशुओं का किया उपचार

बैतूल। चलित पशु चिकित्सा वाहन का मुख्य उद्देश्य, पशुओं का उपचार, टीकाकरण, गर्भाधान कराना, जिले के प्रत्येक जनपद के लिए चलित पशु चिकित्सा वाहनों संचालित है, प्रदेश सरकार पशुपालकों को हर सुविधा देने के लिए प्रतिबद्ध है, अभी तक डॉक्टर की टीम घर पहुँच कर पशुओं का उपचार करते थे, परंतु अब पशुओं के उपचार के लिए चलित पशु वाहन अस्पताल के रूप में घर-घर पहुँच कर पशुओं का इलाज करेगा। पशुओं के उपचार के साथ टीकाकरण,कृत्रिम गर्भाधान भी कराया जायेगा। उप संचालक पशुपालन ने बताया कि जिले सभी जनपदों में एक इस प्रकार कुल 11 पशु चिकित्सा इकाई सुचारू रूप से संचालित हैं, जिसमें एक अप्रैल 2025 से 31 अगस्त तक कुल 7832 कॉल आए है। जिस पर घर पहुंच सुविधा के तहत 8745 पशुओं को स्वास्थ सुविधाएं प्रदान की गई हैं। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए किसान और पशुपालक टोल फ्री नंबर 1962 पर कॉल कर सकते हैं।

एच-1बी वीज़ा

ममता कुशवाहा

लेखक शिक्षिक हैं।

विवाद के बीच अवसरों की नई संभावनाएं

चुनौतियों को अवसर में बदलना किसी भी राष्ट्र के लिए एक महत्वपूर्ण नीति-दृष्टिकोण होता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में भारत-अमेरिका संबंधों के सामने उत्पन्न परिस्थितियाँ इसी दिशा में एक गहरी सोच और रणनीतिक संतुलन की मांग कर रही हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में लिए गए कई निर्णयों ने यह स्पष्ट किया कि उनकी नीतियाँ जहाँ एक ओर अमेरिका के घरेलू उद्योगों और मतदाताओं को साधने का प्रयास थीं, वहीं दूसरी ओर वे वैश्विक साझेदारियों, विशेषकर भारत जैसे देशों के साथ संबंधों पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती थीं। ट्रंप द्वारा एच-1बी वीज़ा शुल्क में बढ़ोतरी, भारतीय कंपनियों पर परिचालन करों का दबाव, और सऊदी अरब-पाकिस्तान रक्षा समझौते को हरी झंडी जैसे कदम ऐसे संकेत थे, जिन्होंने भारत-अमेरिका सहयोग के स्वरूप को चुनौती दी।

एच-1बी वीज़ा लंबे समय से भारतीय आईटी पेशेवरों और तकनीकी कर्मियों के लिए अमेरिकी अर्थव्यवस्था में योगदान देने का महत्वपूर्ण माध्यम रहा है। ट्रंप प्रशासन के दौरान इस वीज़ा की लागत बढ़ाकर लगभग एक लाख डॉलर तक पहुँचा दी गई, जिससे भारतीय कंपनियों और कुशल कर्मचारियों पर आर्थिक दबाव बढ़ा। इसका असर केवल कंपनियों के मुनाफे पर नहीं पड़ा, बल्कि अमेरिकी नौकरियों के परिदृश्य में भी देखा गया क्योंकि भारतीय पेशेवरों ने अमेरिका की तकनीकी प्रगति में हमेशा केंद्रीय भूमिका निभाई है। अतः यह स्थिति दोनों देशों के लिए घाटे का सौदा साबित हो सकती थी।

इसके अतिरिक्त, ट्रंप द्वारा सऊदी-पाकिस्तान रक्षा समझौते को समर्थन देने का निर्णय भारत के सुरक्षा हितों के लिए चिंताजनक संकेत था। पाकिस्तान की सीमाओं से सक्रिय आतंकवादी समूहों को सऊदी अरब की संभावित मदद भारत-विरोधी गतिविधियों को प्रोत्साहित कर सकती थी। ऐसे में भारत को न केवल अपने सुरक्षा ढाँचे को सुदृढ़ करने की आवश्यकता थी, बल्कि उसे क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन बनाए रखने के लिए भी ठोस कूटनीतिक प्रयास करने पड़े। यह परिदृश्य चीन के बढ़ते प्रभाव के संदर्भ में और भी जटिल था, क्योंकि चीन पाकिस्तान के साथ रणनीतिक साझेदारी को लगातार मजबूत कर रहा था और खाड़ी देशों में भी अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रहा था।

इन चुनौतियों का सामना करने के लिए भारत को बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा। एक ओर उसे अमेरिका के साथ उच्चस्तरीय संवाद को निरंतर बनाए रखना चाहिए, जिससे वीज़ा नीतियों, कराधान और व्यापारिक बाधाओं पर रचनात्मक समाधान निकल सके। दूसरी ओर, भारत को अपने घरेलू उद्योगों, स्टार्ट-अप्स और अनुसंधान क्षेत्र को सशक्त बनाना चाहिए, ताकि वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा में उसकी स्थिति मजबूत हो सके। शिक्षा, स्वास्थ्य, और नवाचार में निवेश बढ़ाकर भारत न केवल विदेशी निवेश आकर्षित कर सकता है, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भी अपनी भूमिका सुदृढ़ कर सकता है।

रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में भारत को अपनी क्षमताओं का विस्तार करने के साथ-साथ सामरिक साझेदारियों को भी नया रूप देना चाहिए। अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप के साथ गठजोड़ को और मज़बूत करना, आतंकवाद-रोधी सहयोग को गहरा बनाना और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संतुलन स्थापित करना भारत के लिए अनिवार्य हो गया है। भारत को यह भी देखना होगा कि सऊदी अरब और खाड़ी देशों के साथ उसके संबंध कैसे और अधिक संतुलित एवं रणनीतिक रूप ले सकते हैं। इन देशों के साथ ऊर्जा, व्यापार और सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देकर भारत अपने क्षेत्रीय प्रभाव को व्यापक बना सकता है।

आर्थिक दृष्टि से, भारत को विदेशी पूंजी आकर्षित करने के लिए नीतिगत सुधारों को गति देनी होगी। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, और स्टार्ट-अप इंडिया जैसे अभियानों को वास्तविक धरातल पर और गहराई देनी होगी। विशेष रूप से आईटी और सेवा क्षेत्र में, जहाँ भारतीय पेशेवरों ने वैश्विक स्तर पर अपनी दक्षता का प्रमाण दिया है, सरकार को कर संरचना और नियामक ढाँचे को सरल बनाना चाहिए। यह न केवल अमेरिका जैसे विकसित देशों के साथ भारत की आर्थिक साझेदारी को बढ़ाएगा, बल्कि भारतीय युवाओं के लिए नए अवसर भी पैदाकरेगा।

कूटनीतिक स्तर पर भारत को एक संतुलित रणनीति अपनानी चाहिए, जहाँ वह अमेरिका के साथ सहयोग को बनाए रखते हुए चीन और रूस जैसे शक्तिशाली राष्ट्रों के साथ भी व्यवहारिक संबंध रख सके। इससे भारत की वैश्विक भूमिका और मजबूत होगी और वह बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में एक प्रभावशाली खिलाड़ी के रूप में उभरेगा। भारत को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उसकी नीतियाँ केवल प्रतिक्रिया स्वरूप न हों, बल्कि दीर्घकालिक दृष्टि से योजनाबद्ध हों।

इस समूचे परिदृश्य का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि भारत अपनी आंतरिक शक्ति और आत्मनिर्भरता को कैसे विकसित करता है। चुनौतियाँ चाहे वीज़ा नीति से जुड़ी हों, व्यापारिक करों से संबंधित हों या सुरक्षा समीकरणों से, उनका समाधान तभी संभव है जब भारत अपने संसाधनों, प्रतिभाओं और नीति-निर्माण क्षमताओं का समुचित उपयोग करे। कौशल विकास, अनुसंधान, और औद्योगिक नवाचार के क्षेत्रों में निवेश से भारत वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिस्पर्धा बढ़ा सकता है।

भारत-अमेरिका संबंधों के संदर्भ में उत्पन्न चुनौतियों को अवसरों में बदलने के लिए एक व्यापक और संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता है। ट्रंप प्रशासन की नीतियों ने यह स्पष्ट किया कि वैश्विक राजनीति में कोई भी निर्णय एकतरफा नहीं होता, उसके बहुस्तरीय प्रभाव होते हैं। भारत को चाहिए कि वह इन प्रभावों का विश्लेषण कर अपनी नीतियों को इस प्रकार गढ़े कि वे न केवल वर्तमान समस्याओं का समाधान करें, बल्कि भविष्य की संभावनाओं को भी साकार करें। आत्मनिर्भरता, रणनीतिक साझेदारी, और आर्थिक सशक्तिकरण के माध्यम से भारत न केवल इन चुनौतियों का सामना कर सकता है, बल्कि उन्हें अपने विकास और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में महत्वपूर्ण अवसर में भी बदल सकता है।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने की सीएम हेल्पलाईन तथा एक बगिया माँ के नाम अभियान की समीक्षा

रायसेन (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा विभागवार सीएम हेल्पलाईन, एक बगिया माँ के नाम अभियान, हाई कोर्ट के प्रकरणों पर जवाब-दावा लगाने तथा फसल गिरदावरी की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, पंचायत, राजस्व, सहकारिता सहित अन्य विभागों की सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों तथा निराकरण की कार्यवाही की समीक्षा कि तथा विभागवार सीएम हेल्पलाईन शिकायतो का निराकरण करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा एक बगिया माँ के नाम अभियान के तहत सभी जनपद सीईओ को अपने स्तर पर मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए तथा फसल गिरदावरी, हाई कोर्ट के प्रकरणों के निराकरण हेतु सभी एसडीएम, तहसीलदार को निर्देशित किया। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अपर कलेक्टर श्री मनोज कुमार उपाध्याय तथा जिला अधिकारी उपस्थित रहे। विकासखण्डों से एसडीएम, जनपद सीईओ, सीएमओ सहित खण्ड स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से बैठक में सम्मिलित हुए।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने देवरी में सांदीपनि विद्यालय का किया निरीक्षण

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा सोमवार को रायसेन जिले के देवरी में स्थित शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने शिक्षकों की उपस्थिति पंजी का अवलोकन किया तथा उपस्थित प्राचार्य एवं शिक्षकों से शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी लेते हुए बच्चों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए कहा। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने अनुपस्थित दो शिक्षकों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। विद्यालय के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने विभिन्न कक्षाओं में जाकर बच्चों से संवाद किया और शैक्षणिक जानकारी ली। बच्चों से संवाद के दौरान बच्चों से उनके लक्ष्य के बारे में पूछा तथा उसे प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन देते हुए पूरी लगन और मेहनत से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने बच्चों को अपने आईएएस बनने के बारे में बताया और पढ़ाई में एकाग्रता लाने के तरीके भी बताए।

माँ विजयासन माता मंदिर प्रांगण, सलकनपुर में लोकगायन, भक्ति गीत और नृत्य नाटिका की हुईं प्रस्तुतियाँ

लोकगायन और भक्तिमय गीतों से माहौल हुआ भक्तिमय

सीहोर (निप्र)। संस्कृति विभाग, म.प्र. शासन द्वारा शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर शक्ति पर्व का आयोजन 22 सितंबर, 2025 को सायं 6.30 बजे से माँ विजयासन माता मंदिर प्रांगण, सलकनपुर में किया गया। लोक गीत, भक्ति गीत और शिव-सती की गाथा पर केंद्रित नृत्य नाटिका के माध्यम से कलाकारों ने माँ के प्रेम और शक्ति के विभिन्न स्वरूपों का बखान किया।

समारोह में भोपाल की पूर्णिमा चतुर्वेदी का लोकगायन, मुंबई के चरणजीत सिंह के भक्ति गायन की प्रस्तुतियाँ हुईं तो भोपाल की दुर्गा मिश्रा एवं साथी कलाकारों ने नृत्य नाटिका शिव-सती गाथा का नृत्य शैली में मंचन किया। भोपाल की पूर्णिमा चतुर्वेदी ने गणपति भजन, गणपति सभा में आये हरि सभा में रंग बरसाये... गीत पेशकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कलारसिकों के मध्य देवी गीत अंबे मैया आओ रे पूजू तुम्हारे पाँव... गाकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। सभा को विस्तारित करते हुए देवी दर्शन गीत फूल बगियन में देख आई सखियाँ मैया बिजासन आई है..., शिव परिवार झूला गीत झूलत गिरिजा संग उमापति..., गौरी पूजन गीत करूं गौरी की पूजा तन-मन से..., देवी महिमा गीत मैया जी की महिमा न्यारी..., देवी झूला गीत झूला झूल रही भवानी..., देवी सत्कार गीत अंबा भवानी तुम रूणझुण करता आओ..., मैया से विनती ठुमुक-ठुमुक चली आ जाना..., सुहाग गीत बहनों को देना सुहाग..., मेंहदी गीत रंग लाई मैया जी के हाथ मेंहदी... और अंत में हनुमान जी का भजन महावीर बलवान करता कल्याण... गाकर सभा को विराम दिया। उनके साथ आराधना पाराशर, मीनाक्षी पगारे और प्रज्ञा अत्रे ने संगत दी।

समारोह के अगली चरण में भोपाल की दुर्गा मिश्रा एवं साथी नृत्यांगनाओं ने नृत्य नाटिका शिव-सती गाथा के माध्यम से माता के शक्ति स्वरूप और शिव के रौद्र रूप की कथा को मंच पर जीवंत किया। कथा का

आरंभ दक्ष प्रजापति के ब्रह्मा जी के साथ संवाद से हुआ, जिसमें वे सती के विवाह की चिंता लेकर ब्रह्म देव के समक्ष उपस्थित होते हैं। ब्रह्म देव उन्हें सती के जन्म की वास्तविकता का पुनः स्मरण करवाते हैं, किंतु दक्ष प्रजापति अहंकार में आकर सत्य को स्वीकार न करते हुए सती स्वयंवर की घोषणा कर देते हैं। नाटिका में आगे दिखाया गया कि महादेव का विवाह सती के साथ हो जाने से दक्ष ने शिव एवं सती से संबंध विच्छेद कर लिए और विवाह के कुछ समय के उपरांत ही एक सहस्त्र कुंड यज्ञ कराया। उस यज्ञ में शिव-सती को छोड़कर बाकी सभी को निमंत्रित किया गया। माता सती बिना निमंत्रण के वहाँ पहुँच जाती हैं और दक्ष प्रजापति की बातों से क्रोधित होकर स्वयं को अग्नि में भस्मीभूत कर लेती हैं। नाटिका में आगे दिखाया गया कि शिव इस दुःख से क्रोध में आकर विनाशकारी तांडव नृत्य आरंभ कर देते हैं। श्रीहरि महादेव को इस स्थिति से बाहर निकलने हेतु माता सती की देह को सुदर्शन से भेद देते हैं। इस प्रकार माता सती के विविध अंगों से अलग-अलग शक्ति पीठों की स्थापना होती है। 20 कलाकारों ने इस संपूर्ण कथा को कथक नृत्य के माध्यम से दिखाया। भक्ति संध्या में अंतिम प्रस्तुति मुंबई के चरणजीत सिंह सौंधी ने स्वरचित भक्ति गीतों की हुई। चरणजीत ने कर दो दया मेरी माँ... गाकर मंदिर प्रांगण की फिजा को भक्ति के नौ रसों से सराबोर कर दिया। इसके बाद मैया आ गई दरबार..., नच-नच के..., चली भवानी चली..., मैया खप्पर वाली..., मेरी मैया के भवन..., मईया के द्वारे जो कोई..., जगाए ऐसी भाग्य दतिए..., मेरी शेरावाली माता है..., मेरी माँ ने किया कमाल..., इस ज्योति का ध्यान लगा लो..., जाग-जाग महाकाली माँ..., तेरी चौखट पे माँ शेरावाली..., अबके बरस है मेरी बारी... जैसी गीत गाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कलेक्टर-एसपी ने सलकनपुर मेले की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित करने के अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

सीहोर (निप्र)। शारदीय नवरात्रि की शुरुआत के साथ ही विजयासन देवी मंदिर सलकनपुर में श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हो गया है। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रशासन ने सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की हैं। कलेक्टर श्री बालागुरू के. और एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला ने सलकनपुर पहुंचकर मंदिर परिसर का दौरा किया और यहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सभी अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर-एसपी ने पार्किंग, पेयजल, साफ-सफाई, बिजली आपूर्ति, श्रद्धालुओं के आगमन-निर्गमन की व्यवस्थाओं तथा आपातकालीन सेवाओं की स्थिति देखी। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी विभाग सक्रिय रहकर कार्य करें। एसपी श्री शुक्ला ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंदिर परिसर एवं मुख्य मार्गों पर पर्याप्त पुलिस बल की ड्यूटी रहे, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे। उन्होंने कहा कि रोपवे का संचालन निरंतर जारी रहे, ताकि श्रद्धालुओं को सुविधा मिल सके।

कलेक्टर ने किया सीहोर के पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय का निरीक्षण

वीएमसी की बैठक आयोजित कर की स्कूल की गतिविधियों की समीक्षा

छात्र दर्श राठौर ने कलेक्टर को उनकी हस्तनिर्मित पोर्ट्रेट की भेंट

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में सीहोर के पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय में विद्यालय प्रबंधन समिति (वीएमसी) की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान विद्यालय की कक्षा नौवीं के छात्र मास्टर दर्श राठौर ने कलेक्टर श्री बालागुरू के. की हस्तनिर्मित पोर्ट्रेट (हस्तनिर्मित तस्वीर) उन्हें भेंट की।

दर्श की पेंटिंग इतनी सजीव थी कि अपनी हूबहू तस्वीर देखकर कलेक्टर स्वयं अचंभित रह गए। उन्होंने दर्श की चित्रकला की सराहना की और छात्र दर्श का उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने समिति के सदस्यों के साथ विद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण कि दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई के बारे में चर्चा की और पढ़ाई के लिए महत्वपूर्ण टिप्स दिए। उन्होंने बच्चों से कहा कि विद्यार्थी जीवन वह स्वर्णिम समय होता है, जिसमें कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास से अपने और देश के भविष्य को नई सकारात्मक दिशा दी जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि अपना लक्ष्य निर्धारित करें और उसे पाने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कठिन परिश्रम करें। विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक में विद्यालय के बजट व विद्यालय की समस्याओं के बारे में चर्चा की गई। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने विद्यालय द्वारा आयोजित की जा रहीं बच्चों के सर्वांगीण विकास संबंधी गतिविधियों की प्रशंसा की एवं सुझाव भी दिए।

बैठक में उन्होंने विद्यालय की कार्य प्रणाली, मूलभूत व्यवस्थाओं और उपलब्धियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस अवसर पर प्राचार्य श्रीमती पूजा श्रीवास्तव एवं समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

मानवता का महापर्व वात्सल्य आश्रम के बच्चो के साथ मनाया

धार। धार दिगंबर जैन समाज में ग्यारह दिवसीय प्रभु महा अर्चना

मण्डल विधान आयोजित कर संपन्न की जा रही है परम पूज्य गुरुवर श्री विभंजन सागर जी मुनिराज ससंघ के सान्निध्य में दूसरे दिवस भक्तामर मंडल विधान करने का सौभाग्य मुनि सेवा वैया वृत्ति मंडल को प्राप्त हुआ । गुरुदेव की पावन प्रेरणा से समाज ने पीपलखेड़ा स्थित वात्सल्य आश्रम के करीब 70 से 80 छोटे-छोटे बच्चों संत सदन बुला कर समाज सदस्यों ने सम्मानपूर्वक अपने हाथों से भोजन करवाया। गुरुदेव द्वारा बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हमे अपने जीवन में सफल होना है तो हमे हमेशा सच बोलना चाहिए चोरी नहीं करना है तन और मन से हमेशा स्वस्थ रहना है। हमेशा ऊँचा और अच्छा सोचना है कभी भी हार नहीं मानना है आप सभी आश्रम के अनुशासित परिवार में रहते है। बच्चों के जीवन उत्थान के लिए मुनिश्री ने कई मंत्र दिए। पूज्य मुनिश्री ने सभी बच्चो के उज्जवल भविष्य के लिए आशीर्वाद प्रदान किया। समाज सदस्यों के साथ बच्चों ने मुनिश्री की आरती व गुरु भक्ति की आश्रम से पधारे बच्चो ने कार्यक्रम में उत्साह पूर्वक भाग लिया। आश्रम संचालक मंडल को समाज के वरिष्ठ गण व समाज अध्यक्ष श्रेणिक गंगवाल ने सम्मानित किया । आश्रम से आए हुए बच्चों को समाज के अनेक परिवारों ने अपनी ओर से सम्मान स्वरूप प्रभावना का वितरण भी किया। कार्यक्रम का संचालन सचिव संजय जैन ने किया । कार्यक्रम को सफल बनाने में समाज के वरिष्ठ डॉ.कमल छाबड़ा का विशेष सहयोग रहा। जानकारी मीडिया प्रभारी संजय गंगवाल द्वारा दी गई।

सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत सामाजिक कुरीतियों पर व्याख्यान माला का आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। शासकीय कुसुम स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिवनी मालवा जिला नर्मदापुरम में मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना, रेड रिबन क्लब एवं रेड क्रॉस विंग, स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तहत सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत महाविद्यालय प्राचार्य डॉ राजेश कुमार रघुवंशी के मार्गदर्शन में सोमवार को सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूकता विषय पर व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ ए के यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए शिक्षा और जागरूकता बढ़ाना, सख्त कानन और नीतियां बनाना. सामाजिक संगठनों का समर्थन करना और व्यक्तिगत स्तर पर प्रयास करना जैसे उपाय किए जा सकते हैं। बाल विवाह, दहेज प्रथा, जातिवाद और महिला उत्पीड़न कुछ प्रमुख कुरीतियाँ हैं, जिन्हें समाज से खत्म करने की ज़रूरत हैद्य कार्यक्रम प्रभारी डॉ नवनीत कुमार सोनारे ने बताया कि सामाजिक भेदभाव को दर करने के लिए शिक्षा और जागरूकता फैलाना, कठोर कानून और नीतियां बनाना, सामाजिक संगठनों व मीडिया का सहयोग लेना, समानता का प्रचार करना, व्यक्तिगत और सरकारी स्तर पर प्रयास करना और पिछड़े वर्गों को सशक्त बनाना आवश्यक है। डॉ मोहन सिंह गुर्जर ने कहा कि सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत हम सभी संकल्प ले समाज में व्याप्त सभी सामाजिक बुराइयों के लिए हम सभी को जागरूक करेंद्य श्री प्रशांत चौरसिया ने विद्यार्थियों को बताया कि मीडिया का सहयोग मीडिया को कुरीतियों के खिलाफ़ अभियान चलाने और लोगों को जागरूक करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में डॉ कल्पना स्थापक, डॉ ए के यादव, डॉ सुनील कुमार सोनी, डॉ अतुल गौर, डॉ जया कैथवास, डॉ रश्मि सोनी, श्री प्रेम नारायण परते श्री कमल सिंह अहिरवार श्री कैलाश गढ़वाल श्री सोमेश कुमार राठौर सुश्री निधि छिपा एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विशेष अभियान के तहत की जा रही है वाहनों की जांच

रायसेन (निप्र)। प्रदेश के साथ जिले में भी सड़क सुरक्षा को अधिक सुदृढ़ बनाने और मोटरयान अधिनियम का पालन सुनिश्चित करने के लिये परिवहन विभाग 22 सितंबर से 2 सप्ताह तक वाहनों की चेकिंग के लिये एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में प्रदेश में एक साथ समस्त जिलों में वाहन चेकिंग की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में रायसेन जिले में परिवहन विभाग द्वारा यात्री वाहन सहित अन्य वाहनों की जांच की गई। इस दौरान बसों में अग्निश्मन सिस्टम न लगे होने, वाहन में फस्टटेड किट उपलब्ध न होने, रेट्रो रिफलेक्टिव नहीं लगे होने पर संबंधित वाहनों के विरूद्ध कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान मध्यप्रदेश मोटरयान कर जमा न करने वाले वाहनों के विरूद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई होगी। परिवहन विभाग के निर्देशानुसार विशेष अभियान के तहत सड़क सुरक्षा की दृष्टि से मोटरयान अधिनियम एवं नियमों के अन्य प्रावधानों जैसे ओव्हर लोडिंग, ओव्हर स्पीडिंग, निर्धारित पात्रता से अधिक यात्री ढ़ोने आदि अपराधों के संबंध में भी अभियान में सख्त कार्रवाई की जायेगी। विशेष अभियान के दौरान स्कूल बसों की चेकिंग पर भी विशेष ध्यान दिये जाने तथा नियम विरूद्ध संचालन करने वाले वाहन चालकों के लायसेंस निलंबन की नियमानुसार कार्रवाई करने के लिये निर्देश दिए गए है। अभियान के दौरान वाहन पोर्टल पर वाहन स्वामियों के मोबाइल नम्बर अपडेट करने तथा पोर्टल पर वाहनों के डुप्लीकेट डेटा हटाये जाने की भी कार्यवाही किये जाने के आदेश दिये गये हैं।

श्रीलंका में विश्वरंग अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव का प्रतिनिधित्व करेंगे विनय उपाध्याय

भोपाल। प्रसिद्ध कला समीक्षक, उद्घोषक और लेखक विनय उपाध्याय श्रीलंका में आयोजित होने जा रहे सातवें विश्वरंग अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव का सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व करेंगे। भारतीय उच्चायोग कोलंबो और हिंदी संस्थान के सहयोग से भारत के विश्वरंग फाउंडेशन का यह प्रतिष्ठा समारोह 29 और 30 सितंबर को स्वामी विवेकानंद केंद्र के सभागार में संपन्न होगा। इस भव्य महोत्सव के शुभारम्भ समारोह के संचालन के साथ ही विनय उपाध्याय श्रीलंका के छात्र-छात्राओं को हिंदी संवाद कौशल का प्रशिक्षण भी देंगे। दो दिनों के विचार सत्रों में दक्षिण एशियाई देशों के अलावा भारत के विशेष आमंत्रित साहित्यकार, संस्कृतिकर्मी, कला चिंतक, शिक्षाविद, हिंदी प्रचारक, शोधार्थी और राजनयिक विभिन्न सामयिक विषयों पर विमर्श करेंगे। पिछले वर्ष विनय मॉरिशस का सांस्कृतिक प्रवास भी कर चुके हैं। हाल ही भोपाल में आयोजित गरिमामय समारोह में विनय उपाध्याय को उनकी बहुचर्चित पुस्तक 'सफह पर आवाज़' के लिए मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग की साहित्य अकादमी के प्रतिष्ठित बालकृष्ण शर्मा नवीन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार विनयजी को उनकी बहुचर्चित पुस्तक 'सफ़ह पर आवाज' के लिये दिया गया। राष्ट्रीय - अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उद्घोषक, वक्ता और लेखक के रूप में अपनी अनूठी पहचान बनाने वाले विनय उपाध्याय द्वारा लिखित और संपादित दो दर्जन से अधिक पुस्तकें और ग्रंथ प्रकाशित और अधिकांश पुरस्कृत हो चुके हैं । उनकी पुस्तक 'कला की छाँव ' को गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने देश के पुस्तकालयों के लिये नामित किया है। श्विनय सांस्कृतिक पत्रिका ' रंग संवाद ' के संपादक, टैगोर विश्व कला और संस्कृति केन्द्र के निदेशक तथा विश्वरंग अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव के संस्थापक सांस्कृतिक समन्वयक हैं। राष्ट्रीय और प्रादेशिक पुरस्कारों के ज्यूरी सदस्य तथा अनेक महोत्सवों के परिकल्पक- संयोजक हैं। मीडिया के क्षेत्र में मोटिवेशनल स्पीकर बतौर युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन भी कर रहे हैं।

बिजली कनेक्शन में नाम परिवर्तन करना हुआ आसान

● 170 रुपये का भुगतान करें, बिजली कनेक्शन में नाम परिवर्तन कराएं

भोपाल (नप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कंपनी कार्य क्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग अंतर्गत आने वाले 16 जिलों के विद्युत उपभोक्ताओं को कंपनी के सरल संयोजन पोर्टल के माध्यम से विद्युत कनेक्शन के नाम में परिवर्तन करने के लिए ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराई है। अब उपभोक्ताओं को उनके परिसरों में पूर्व से विद्यमान कनेक्शन के नाम में परिवर्तन करना बेहद आसान हो गया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि जिन उपभोक्ताओं को अपने मीटर से संबंधित नाम में परिवर्तन करना है वह कंपनी की वेबसाइट में एलटी सर्विसेस के एलटी अदर सर्विसेस में दिये गये नेम ट्रांसफर अथवा सीधे पर जाकर अदर यूजफुल लिंक्स में दिये गये अप्लाय फॉर अदर सर्विसेस के माध्यम से आसानी से करा सकते हैं।

कंपनी ने कहा है कि विद्युत उपभोक्ताओं को नाम परिवर्तन के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के दौरान अपना आईवीआरएस नंबर, संबंधित समग्र आईडी,पैन कार्ड एवं आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने के उपरांत लिंक मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी दर्ज कर निर्धारित शुल्क 170/- रूपये का भुगतान करना होगा। ऑनलाइन आवेदन देने के पश्चात उपभोक्ता आवेदन क्रमांक अथवा मोबाइल नंबर से आवेदन की स्थिति भी देख सकते हैं।

एनएचएआई इंदौर बायपास पर निर्माणाधीन फ्लाईओवर के कार्य शीघ्र करें पूर्ण : जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट

● मंत्री ने एनएचएआई के अधिकारियों के साथ की बैठक

भोपाल (नप्र)। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों को निर्देश दिए

हैं कि इंदौर बायपास पर निर्माणाधीन अर्जुन बरोदा, झलारिया और कनाडिया फ्लाई ओवर का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए। साथ ही रोड चौड़ीकरण, सर्विस रोड दुरुस्ती और बंद लाइट चालू करने का कार्य भी प्राथमिकता के साथ किया जाए, जिससे यातायात सुचारू हो और ट्रैफिक जाम की समस्या समाप्त हो। मंत्री श्री सिलावट ने बुधवार को मंत्रालय में एनएचएआई और जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में एनएचएआई के रीजनल ऑफिसर श्री एस.के. सिंह, एमपीआरडीसी के चीफ इंजीनियर श्री राकेश जैन, प्रमुख अभियंता जल संसाधन श्री विनोद कुमार देवड़ा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री श्री सिलावट ने निर्देश दिए कि लक्षित कार्य तय समय-सीमा में पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें, जिससे जनता को परेशानियों का सामना न करना पड़े। मंत्री श्री सिलावट ने इन कार्यों के लिए अधिकारियों की सहमति से समय-सीमा भी निर्धारित की। एनएचएआई के अधिकारियों ने बताया कि निर्धारित समय सीमा के अनुसार 15 जनवरी 2026 तक अर्जुन बरोदा का फ्लाई ओवर और 30 जनवरी 2026 तक झलारिया का फ्लाई ओवर पूर्ण होकर प्रारंभ हो जाएगा। इसी प्रकार 31 मार्च 2026 तक कनाडिया (एमआर 10) का फ्लाई ओवर, दीपावली के पहले फ्लाई ओवर के दोनों तरफ की सर्विस रोड की मरम्मत और डामरीकरण का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा।

मध्यप्रदेश और सिंगापुर, इंडस्ट्री इंटीग्रेटेड ट्रेनिंग-ग्रीन टेक्नोलॉजी और स्मार्ट सिटी सॉल्युशन्स के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे : मुख्यमंत्री

सीएम डॉ. यादव से सिंगापुर के काउंसल जनरल श्री चियोंग मिंग फूंग ने की सौजन्य भेंट

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्लोबल स्किल पार्क जैसे प्रोजेक्ट मध्यप्रदेश और सिंगापुर द्वारा क्षमता निर्माण तथा युवा सशक्तिकरण के लिए किए गए संयुक्त प्रयासों का सफल उदाहरण है। सिंगापुर की तकनीक, शिक्षा-स्किल्स, विशेषज्ञता और मध्यप्रदेश की औद्योगिक क्षमता व संसाधन, परस्पर विकास, नवाचार और स्थिरता को प्रोत्साहित करने में सक्षम है। राज्य सरकार द्विपक्षीय परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से हरसंभव नीति, सहयोग और निवेशकों को त्वरित सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात सिंगापुर के काउंसल जनरल श्री चियोंग मिंग फूंग से मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में चर्चा के दौरान कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश, सिंगापुर के साथ इंडस्ट्री इंटीग्रेटेड ट्रेनिंग, अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता, ग्रीन टेक्नोलॉजी, स्मार्ट सिटी सॉल्युशन्स, स्किल डेवलपमेंट सहित निवेश और शिक्षा के क्षेत्र में परस्पर सहयोग बढ़ाते हुए गतिविधियों का विस्तार करेगा।

भोपाल में पीडब्ल्यूडी की सड़कों पर पेंचवर्क शुरू

लिंक रोड-3 पर उखड़ी सड़क की मरम्मत; मानसून बाद सभी की होगी

भोपाल (नप्र)। तेज बारिश का दौर थमते ही राजधानी भोपाल की सड़कों पर पीडब्ल्यूडी ने पेंचवर्क शुरू कराया है। बुधवार को लिंक रोड नंबर-3 की मरम्मत कराई गई। पीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियर संजय मस्के ने बताया व्हाइट टॉपिंग टेक्निक से बारिश के दौरान भी मरम्मत कराई थी। तब फौरी राहत दी थी। अब स्थायी मरम्मत करेंगे।

पीडब्ल्यूडी के प्रमुख सचिव सुखवीर सिंह, ईएनसी केपीएस राणा, चीफ इंजीनियर मस्के, अधीक्षण यंत्री हरिशंकर जायसवाल और मयंक शुक्ला की मौजूदगी में पेंचवर्क की शुरुआत की गई। करीब एक घंटे तक अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। उन्होंने अपने सामने ही सड़क की मरम्मत कराई।

दो से तीन दिन में प्लांट भी शुरू हो जाएगा – चीफ इंजीनियर मस्के ने बताया कि बारिश के दौरान व्हाइट टॉपिंग टेक्निक से सड़कों की मरम्मत कराई गई थी। कुल 180 किलोमीटर सड़कें सुधारी गई थीं। इस वजह से लोगों को गड्ढों से राहत मिली। अब बारिश थमने के बाद पेंचवर्क करा रहे हैं। जिन सड़कों की परतें उखड़ी हैं, उन्हें ठीक करवाया जा रहा है। दो से तीन दिन में प्लांट भी शुरू हो जाएंगे। इससे पीडब्ल्यूडी की सभी सड़कें ठीक हो जाएंगी।

व्हाइट टॉपिंग से भी बड़ी राहत मिली– बता दें कि इस बार बारिश में ही पीडब्ल्यूडी ने करीब 180 किलोमीटर लंबी सड़कों के गड्ढों को भर दिया था। लिंक रोड नंबर-1, 2 समेत 10 से ज्यादा प्रमुख सड़कों पर व्हाइट टॉपिंग टेक्निक इस्तेमाल की गई। वहीं, पीडब्ल्यूडी की कुल 30 सड़कें ऐसी हैं, जहां पर जलभराव होता है। इन पर 6 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। कुल 92.05 किमी में से 7.70 किमी हिस्से पर जलभराव होता है। इसी हिस्से में सीमेंट कांक्रीट का प्लान है। हालांकि, अंदरूनी सड़कों की तस्वीर ठीक नहीं है। खासकर कॉलोनियों की सड़कों पर गड्ढे ही गड्ढे हो गए हैं। इस वजह से लाखों की आबादी हर रोज परेशान हो रही है। पुराने शहर के ऐशबाग, अशोका गार्डन, पुल बोगदा, बरखेड़ी, शिवनगर, करोंद समेत रायसेन रोड, रत्नागिरी, सोनागिरी, आनंद नगर, पटेल नगर, दानिशकुंज, बावड़ियाकलां, बाग सेवनिया, बाग मुगालिया समेत कई जगहों पर सड़कें जर्जर हैं।

छिंदवाड़ा ने स्वच्छता में रचा इतिहास, फिक्की राष्ट्रीय पुरस्कार से हुआ सम्मानित

वॉश ऑन व्हील्स नवाचार बना देश के लिए प्रेरणा,कई प्लेटफार्म पर सराहा गया नवाचार

भोपाल (नप्र)। छिंदवाड़ा जिले ने स्वच्छता के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धि प्राप्त कर प्रदेश का नाम राष्ट्रीय पटल पर रोशन किया है। जिला पंचायत छिंदवाड़ा को अभिनव ''वॉश ऑन व्हील्स'' नवाचार के लिए प्रतिष्ठित इंडिया सेनीटेशन कोएलिशन फिक्की राष्ट्रीय पुरस्कार 2025 से नवाजा गया है। इसे सतत रखरखाव एवं सामुदायिक प्रबंधन श्रेणी में प्रदान किया गया, जिसके साथ ढाई लाख रुपये की नकद राशि भी प्राप्त हुई। नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में छिंदवाड़ा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अग्रिम कुमार ने यह पुरस्कार प्राप्त किया। छिंदवाड़ा देश का पहला जिला स्तरीय संगठन बन गया है, जिसे इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

छिन्दवाडा वॉश ऑन व्हील्स को राष्ट्रीय स्तर पर लगातार प्रशंसा मिल रही है। भोपाल में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस नवाचार की सराहना की थी। इसके अलावा, यह मॉडल राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित पत्रिका अकॉलैड्स में भी स्थान पा चुका है जो मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय है।

वॉश ऑन व्हील्सः स्वच्छता का अनूठा मॉडल वॉश ऑन व्हील्स नवाचार ने ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालयों की सफाई और रखरखाव की चुनौती का अभिनव समाधान प्रस्तुत किया है। मोबाइल इकाइयों के माध्यम से गांव-गांव जाकर शौचालयों की नियमित सफाई और रखरखाव सुनिश्चित किया जा रहा

है। इस पहल ने न केवल स्वच्छता को स्थायी बनाया, बल्कि सामुदायिक सहभागिता की मिसाल भी कायम की। इस नवाचार की प्रस्तुति 11 जून 2025 को सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार ने फिक्की की कार्यकारी निर्णायक समिति के समक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दी थी, जिसे सर्वसम्मति से सराहा गया। आर्थिक और सामाजिक प्रभाव की इस पहल से संलग्न 45 स्वच्छता साथियों ने अब तक 40 हजार शौचालय इकाइयों की सफाई कर लगभग 40 लाख रुपये की आय अर्जित की है।

सभी राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में मध्यप्रदेश के खिलाड़ी ला रहे हैं पदक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत में खेल के क्षेत्र में हुई है नई क्रांति

● खूब दूध पियो-घी खाओ और खेलकर पचाओ,हमारी सेना हो या खिलाड़ी, पाकिस्तान को हमेशा धोते हैं ● फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत भोजन में तेल कम करना और जीवन में खेल गतिविधियां बढ़ाना जरूरी ● सेवा पखवाड़ा का हिस्सा बना खेल महोत्सव ● भारत माता के जयकारे, आतिशबाजी, तिरंगे गुब्बारे छोड़कर हुई खेल महोत्सव की शुरूआत ● महोत्सव में 71 हजार से अधिक खिलाड़ियों ने करवाया नामांकन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत में खेल के क्षेत्र में नई क्रांति हुई है। भारतीय खिलाड़ी और जवानों ने हर अवसर पर देश-प्रदेश का मान बढ़ाया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए स्वदेशी और खेल क्रांति के लिए फिट इंडिया मूवमेंट महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री श्री मोदी देश के लिए महत्वपूर्ण इन दोनों गतिविधियों को निरंतर प्रोत्साहित कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत जीवनशैली में बदलाव के लिए सभी को प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने 'भोजन में तेल कम करने और जीवन में खेल गतिविधियां बढ़ाने' का सभी देशवासियों से आहवान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव भोपाल-सीहोर संसदीय क्षेत्र के सांसद खेल महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को शासकीय सुभाष एक्सीलेंस उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में भारत माता की जय के नारों और आतिशबाजी के बीच आसमान में तिरंगे गुब्बारे छोड़कर 'सांसद खेल महोत्सव 2025' के शुभारंभ की विधिवत घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज आरंभ हो रहे सांसद खेल महोत्सव में 71 हजार से अधिक खिलाड़ियों ने नामांकन कराया है, यह प्रदेश के विद्यार्थियों में निरंतर बढ़ रही खेल गतिविधियों के प्रति रूचि का परिणाम है। प्रसन्नता का विषय है कि सांसद खेल महोत्सव, सेवा पखवाड़ा का भाग बन रहा है। अभिषेक ने क्या बढ़िया अभिषेक किया है। पाकिस्तान को ऐसा धोया है, आनंद ही आ गया। हमारी सेना हो या खिलाड़ी, पाकिस्तान को हमेशा धोने का ही काम करते हैं। यह बात मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कही। वे सुभाष एक्सीलेंस स्कूल ग्राउंड में सांसद खेल महोत्सव 2025 का शुभारंभ कर रहे थे।

प्रदेश के हर घर से खिलाड़ी और हर गांव से चैम्पियन निकले– मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए पौष्टिक आहार पर ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने अपने भोजन में दूध, दही और मक्खन उचित मात्रा में शामिल करने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। सनातन संस्कृति में आदिकाल से ही खेलों का विशेष महत्व रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जन-जन में खेल भावना विकसित करने और हर वार्ड व ग्राम तक खेल गतिविधियों का विस्तार करने के उद्देश्य से सांसद खेल महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। प्रयास है कि प्रदेश के हर घर से खिलाड़ी और हर गांव से चैम्पियन निकले।

सरकारी धन गबन मामलों में वित्त विभाग ने जताई नाराजगी

कोष और लेखा व महालेखाकार कार्यालय के अधिकारियों को नहीं बनाया जाएगा गवाह

भोपाल (नप्र)। सरकारी धन के गबन और करप्शन से जुड़े मामलों में कोर्ट और विभागीय जांच के दौरान रिपोर्ट तैयार करने वाले अधिकारियों को गवाही और बयान के लिए बुलाने पर वित्त विभाग ने कड़ा एतराज जताया है। विभाग ने साफ निर्देश जारी किए हैं कि स्टेट फाइनेंसियल सेल और महालेखाकार कार्यालय (एजी) के अधिकारी-कर्मचारियों को किसी भी स्थिति में गवाह या अभियोजन साक्षी नहीं बनाया जाएगा। वित्त विभाग के अपर सचिव रोहित सिंह ने सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव, संचालक लोक अभियोजन, विभागाध्यक्ष, संभागायुक्त, कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ को पत्र भेजकर नए निर्देश दिए हैं।

पेमेंट डेटा और आंतरिक ऑडिट करता है एसएफआईसी

स्टेट फाइनेंसियल सेल, आयुक्त कोष और लेखा कार्यालय के अधीन काम करता है। यह इंटीग्रेटेड फाइनेंसियल मैनेजमेंट इंफार्मेशन सिस्टम के जरिए बजट नियंत्रण अधिकारियों द्वारा किए गए भुगतान का डेटा एनालिसिस करता है। साथ ही, अलग-अलग कार्यालयों का आंतरिक लेखा परीक्षण (इंटरनल अकाउंट ऑडिट) भी करता है। गबन की स्थिति सामने आने पर संबंधित विभाग को ही एफआईआर और विभागीय जांच कराना होता है।

● **महालेखाकार को गवाह बनाने पर रोक –** वित्त विभाग ने कहा है कि महालेखाकार की आडिट रिपोर्ट नियमों के अनुसार ही होती है। यदि कोई आपत्ति गलत लगती है तो उस पर सीधे महालेखाकार कार्यालय को पत्र भेजा जा सकता है। वहीं सही आपत्ति मिलने पर संबंधित विभाग को कार्रवाई करनी होगी। विभाग ने साफ कर दिया है कि एजी कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारी को न्यायालय में पेश होने की आवश्यकता नहीं है।

● **विभागीय स्तर पर होगी कार्रवाई–** वित्त विभाग ने एमपी वित्तीय संहिता के नियम 22, 23 और 25 का हवाला देते हुए कहा है कि गबन और भ्रष्टाचार मामलों में विभागीय और कानूनी कार्यवाही, जिम्मेदारी तय करना और शासन को हुई हानि की वसूली की जिम्मेदारी संबंधित विभागाध्यक्ष की होगी।

बौद्धिक दिव्यांगजनों के विकास एवं पुनर्वास विषय पर हुआ तीन दिवसीय प्रशिक्षण

भोपाल(नप्र)। 'बौद्धिक दिव्यांगजनों के विकास एवं पुनर्वास' विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान सीहोर में आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण 17 से 19 सितम्बर 2025 को आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर द एम्पावरमेंट ऑफ पर्सन्स विथ इंटेलेक्चुअल डिसएबिलिटीज,हैदराबाद तथा जय वकील फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ।

प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों द्वारा बौद्धिक दिव्यांगजनों के सर्वांगीण विकास, पुनर्वास की नवीन तकनीकों, शिक्षा एवं पुनर्वास सेवाओं की सुलभता पर विस्तार से जानकारी दी गई। इसमें विभिन्न जिलों से आए शासकीय अशासकीय बौद्धिक दियांगजनों से सम्बंधित संस्थाओं के विशेष शिक्षकों, पुनर्वास पेशेवरों, सामाजिक कार्यकर्ता एवं अभिभावक शामिल हुए।

कार्यक्रम के उद्घाटन-सत्र में वक्ताओं ने कहा कि बौद्धिक दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए परिवार, समाज एवं संस्थाओं की सामूहिक भूमिका अत्यंत आवश्यक है। प्रशिक्षण के दौरान व्यवहार सुधार, आत्मनिर्भरता, कौशल विकास तथा पुनर्वास संबंधी व्यावहारिक कार्यशालाओं का भी आयोजन किया गया।

समापन-सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। प्रतिभागियों ने ऐसे प्रशिक्षण को उपयोगी बताते हुए कहा कि यह बौद्धिक दिव्यांगजनों की बेहतरी की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

फायरिंग के आरोप में फैजान मछली गिरफ्तार

ड्रग तस्कर यासीन मछली का करीबी है, पहले भी कर चुका कई वारदात

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बुधवारा में कुख्यात अपराधी फैजान मछली ने डेढ़ लाख रुपए के लेन-देन के चलते युवक पर फायरिंग कर दी। आरोपी ड्रग तस्कर यासीन मछली का करीबी है। घटना मंगलवार देर रात की है। जांच के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। बुधवार को आरोपी फैजान की गिरफ्तारी कर ली गई।

चाय और बिरयानी का होटल चलाता है फरियादी – टीआई काशीराम कुशवाह के मुताबिक फरियादी दानिश बेग पिता जफर बेग (30) निवासी खजांची वाली गली बुधवारा चाय और बिरयानी का होटल संचालित करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात करीबन 1:15 बजे मैं और मेरे बड़ा भाई शारिक बेग व उसका दोस्त फरहान हम तीनों हमारे घर के सामने बैठे थे। उसी समय फैजान मछली व दो अन्य लोग एक्टिवा से आए व डेढ़ लाख रुपए के लेन देन की बात को लेकर अभद्रता करने लगे।